▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 284 ▸▸मुंबई, रविवार, 21 दिसंबर 2025 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

# DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

## समर्थन का आश्वासन और विकास पर फोकस

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड ने कहा कि पार्टी ने इस बार मनपा चुनाव अकेले लड़ने का निर्णय लिया है। हालांकि, कांग्रेस चाहती है कि समान विचारधारा वाले दल चुनाव में साथ दें। उन्होंने बताया कि कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय सचिव यू बी वेंकटेश के नेतृत्व में वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) के साथ चर्चा करेगा। गायकवाड ने कहा कि राष्ट्रीय समाज पार्टी (रासपा) के अध्यक्ष महादेव जानकर ने समर्थन का आश्वासन दिया है, वहीं रिपब्लिकन दलों के अलग-अलग गुटों ने भी सहयोग की पेशकश की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस मुंबई में विवाद नहीं, बल्कि विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी और यही पार्टी का मुख्य फोकस रहेगा।

## घोषणापत्र जारी करने की तैयारी

मुंबई कांग्रेस मनपा चुनाव को लेकर अपना घोषणापत्र जारी करने की तैयारी में जुट गई है। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला ने कहा कि चुनाव से पहले पार्टी की ओर से एक विस्तृत घोषणापत्र के साथ-साथ मुंबई महानगरपालिका में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को उजागर करने वाला आरोप पत्र भी जारी किया जाएगा। कांग्रेस इस आरोप पत्र के जरिए बीएमसी के कामकाज और प्रशासन पर सवाल उठाएगी।

## हमारी भाजपा से लड़ाई : चेन्निथला

चेन्निथला ने स्पष्ट किया कि मुंबई मनपा चुनाव में कांग्रेस की मुख्य लड़ाई भाजपा से होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा मुंबई में हिंदू-मुस्लिम के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के चलते चार साल बाद बीएमसी चुनाव हो रहा है। चुनाव परिणाम के बाद दोबारा महाविकास आघाड़ी के साथ सत्ता में जाने के सवाल पर चेन्निथला ने कहा कि इस पर फैसला नतीजों के बाद लिया जाएगा।

## शरद पवार की NCP अब क्या करेगी?

शरद पवार की राजनीति हमेशा "वेट एंड वॉच" की रही है, लेकिन कांग्रेस के इस फैसले के बाद शरद पवार भी परेशान बताए जा रहे हैं। उनके पास दो विकल्प दिखते हैं या तो वे उद्धव ठाकरे के साथ डटे रहें और कांग्रेस के खिलाफ लड़ें या फिर वे भी कुछ सीटों पर अपना अलग दांव खेलें! हालांकि, मुंबई में शरद पवार की पार्टी की ताकत सीमित है, इसलिए वे उद्धव का साथ छोड़कर अपनी प्रासंगिकता खोने का जोखिम शायद नहीं उठाएंगे।

## बीएमसी चुनाव : त्रिकोणीय हुआ मुकाबला

# कांग्रेस का 'एकला चलो'

देवेंद्रनाथ जैसवार । मुंबई

कांग्रेस ने बृहन्मुंबई महानगर पालिका चुनाव को बड़ी दिलचस्प मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। सीटों की खींचतान की ख़बरों के बीच कांग्रेस ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर ऐसा दांव चला है जिससे विपक्षी गठबंधन 'महाविकास अघाड़ी' आर्थिक राजधानी में बिखरती दिख रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और महाराष्ट्र प्रदेश प्रभारी रमेश चेन्निथला ने इसकी औपचारिक घोषणा कर दी। इसके साथ ही कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के बीच संभावित गठबंधन को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। शनिवार को मुंबई कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में चेन्निथला ने कहा कि कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महाविकास आघाड़ी के सहयोगी दलों शिवसेना (उद्धव) और राकांपा (शरद पवार) के साथ मिलकर लड़े थे। लेकिन अब पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं और जमीनी हालात को ध्यान में रखते हुए मुंबई मनपा चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने का निर्णय लिया गया है।

### 227 सीटों पर तैयारी, शिवसेना से दूरी

कांग्रेस ने बीएमसी की सभी 227 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी का मानना है कि अकेले चुनाव लड़ने से संगठन को मजबूती मिलेगी। उल्लेखनीय है कि शिवसेना (उद्धव ठाकरे) ने मनसे के साथ गठबंधन का फैसला किया है, जिसके चलते कांग्रेस ने शिवसेना (उद्धव) से दूरी बनाने का रास्ता चुना है। इस फैसले से मुंबई की राजनीति में नए समीकरण बनने के संकेत मिल रहे हैं।

▸▸ मुंबई में कांग्रेस अकेले लड़ेगी चुनाव

▸▸ प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला ने की घोषणा

### किसका होगा फायदा, किसका नुकसान?

गौरतलब है कि शिवसेना यूबीटी नेता संजय राऊत मविआ को एकजुट कर चुनाव लड़ने की कोशिश कर रहे थे और इस सिलसिले में उन्होंने शरद पवार समेत कांग्रेस नेताओं से मुलाकात भी की थी, लेकिन चेन्निथला के इस ऐलान ने मविआ की एकता को करारा झटका दे दिया है। अब मुंबई की जंग द्विपक्षीय नहीं बल्कि त्रिकोणीय होती दिख रही है। जब भी विपक्ष का वोट बंटता है, उसका सीधा फायदा सत्तारूढ़ गठबंधन को मिलता है ऐसे में कांग्रेस का यह फैसला बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए फ़ायदा साबित होगा या कांग्रेस अपना पुराना वजूद वापस पाएगी, देखना दिलचस्प होगा।

## DBD स्पेशल — क्यों अकेले जाने पर मजबूर हुई कांग्रेस?

दरअसल कांग्रेस को एहसास हो गया है कि गठबंधन में रहने पर उसकी जमीन कमजोर हो रही है। मुंबई में उद्धव गुट हमेशा बड़े भाई की भूमिका निभाना चाहता है, और कांग्रेस को डर था कि गठबंधन में उसे कम सीटें मिलेंगी। साथ ही, चेन्नीथला ने कहा कि वे बीएमसी के भ्रष्टाचार का 'पंचनामा' करेंगे। पिछले 25 सालों से बीएमसी पर शिवसेना का ही कब्ज़ा रहा है, ऐसे में उद्धव गुट के साथ रहकर कांग्रेस भ्रष्टाचार पर सवाल कैसे उठा सकती है? चेन्नीथला का दावा है कि मुस्लिम मतदाता उनके साथ हैं और उन्हें लगता है कि 'हिंदू-मुस्लिम' की राजनीति के बीच कांग्रेस ही धर्मनिरपेक्ष विकल्प है, जिसमें उद्धव सेंधमारी कर रहे थे। अब कांग्रेस यह नुकसान स्थानीय चुनावों में नहीं झेलना चाहती। महानगरपालिका की इस जंग में राज ठाकरे की MNS भी कांग्रेस के "एकला चलो" के फैसले के पीछे एक बड़ा मनोवैज्ञानिक (साइकोलॉजिकल) फैक्टर है। कांग्रेस को डर था कि अगर वह उद्धव गुट के साथ गठबंधन में रहती, तो भाजपा और मनसे मिलकर 'मराठी अस्मिता' और 'प्रखर हिंदुत्व' के मुद्दों पर उसे हाशिए पर धकेल सकते थे। राज ठाकरे अक्सर कांग्रेस पर तुष्टीकरण का आरोप लगाते रहे हैं। ऐसे में अकेले चुनाव लड़कर कांग्रेस खुद को हिंदुत्व की इस राजनीतिक जंग से दूर रखते हुए अपने कोर वोट बैंक (मुस्लिम और उत्तर भारतीय) को यह संदेश देना चाहती है कि वह मनसे की कट्टर राजनीति के सामने नहीं झुकेगी। कांग्रेस के लिए MNS एक ऐसी चुनौती है जो गठबंधन की स्थिति में उसके वोटों में सेंध लगा सकती थी। इसलिए कांग्रेस ने त्रिकोणीय मुकाबले में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखना ही बेहतर समझा।

*सत्ता के क़्वार्टर फाइनल का काउंटडाउन*

# महायुति का पावर टेस्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में नगर परिषदों और नगर पंचायत चुनाव अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुके हैं। शनिवार को जिन 288 शहरी निकायों में मतदान हुआ, उनके नतीजे रविवार को सामने आएंगे। ये चुनाव केवल स्थानीय प्रशासन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्हें आने वाले नगर निगम और विधानसभा चुनावों की सियासी बुनियाद के तौर पर देखा जा रहा है। महीनों की देरी, कानूनी अड़चनों और राजनीतिक अस्थिरता के बाद हुए इन चुनावों के ज़रिये यह साफ़ होगा कि शहरी और अर्ध-शहरी महाराष्ट्र फिलहाल सत्ता के साथ हैं या विपक्ष के पुनर्गठन को मौका देने के मूड में। शनिवार को दोपहर साढ़े तीन बजे तक औसतन 47.।04 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अधिकांश जगहों पर मतदान शांतिपूर्ण रहा, लेकिन कई केंद्रों से तकनीकी खामियों और प्रशासनिक चूकों के आरोप भी सामने आए। चुनाव आयोग की ओर से पर्याप्त सुरक्षा और व्यवस्थाओं का दावा किया गया, फिर भी कुछ घटनाओं ने मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए।

▸▸ 23 नगर परिषद और नगर पंचायत में शांतिपूर्वक मतदान

▸▸ औसतन 47.04 प्रतिशत मतदान दर्ज

**288 शहरी निकायों का आज आएगा फैसला**

### बारामती और अंबरनाथ में भी डाले गए वोट

इन चुनावों में पुणे जिले की बारामती और ठाणे जिले की अंबरनाथ जैसी प्रमुख नगर परिषदें भी शामिल रहीं। नासिक जिले के सिन्नर, ओझर और चांदवड़ की छह वार्डों में औसतन 49।47 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसी दौरान सिन्नर के वार्ड नंबर 2 में एक 25 वर्षीय युवक को फर्जी आधार कार्ड के जरिए अपने भाई के नाम पर वोट डालने की कोशिश करते हुए हिरासत में लिया गया।

### आज होगी मतों की गिनती

राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि 2 दिसंबर को हुए पहले चरण सहित कुल 286 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के मतों की गिनती 21 दिसंबर (रविवार) सुबह 10 बजे से शुरू होगी। पहले चरण में 263 नगर परिषदों और नगर पंचायतों में मतदान हुआ था। कुछ स्थानों पर चुनाव बिना मुकाबले के संपन्न हुए। डोंडाइचा नगर परिषद और अंगार नगर पंचायत में अध्यक्ष और सदस्यों का चुनाव निर्विरोध रहा, जबकि जामनेर नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए भी कोई मुकाबला नहीं हुआ।

### नगर से महानगर तक: आज का फैसला, कल की रणनीति

रविवार को होने वाली मतगणना में सिर्फ यह नहीं देखा जाएगा कि किसे कितनी सीटें मिलीं, बल्कि यह भी परखा जाएगा कि शहरी इलाकों में सत्ता के प्रति रुझान क्या है। किन क्षेत्रों में भाजपा का विस्तार हुआ, कहां MVA ने वापसी की और किन इलाकों में स्थानीय गुटों ने पार्टियों को पीछे छोड़ा ये सभी संकेत आने वाले चुनावों की तस्वीर साफ़ करेंगे। नगर परिषद और नगर पंचायतों से निकलने वाला जनादेश सीधे तौर पर मुंबई, पुणे, नागपुर और अन्य महानगरपालिकाओं के चुनावी गणित को प्रभावित करेगा। राजनीतिक दल इन्हीं नतीजों के आधार पर गठबंधन, नेतृत्व और उम्मीदवार तय करने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।कुल मिलाकर, ये नतीजे यह तय करेंगे कि महाराष्ट्र की शहरी राजनीति फिलहाल महायुति के पक्ष में स्थिर होती है या महाविकास आघाड़ी को पुनर्जीवन का मौका मिलता है। रविवार को सामने आने वाला जनादेश केवल स्थानीय सत्ता का फैसला नहीं होगा। यह आने वाले बड़े सियासी मुकाबलों का ट्रेलर साबित हो सकता है।

# वरिष्ठ कांग्रेस नेता शालिनीताई पाटिल का निधन

**महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री वसंतदादा पाटिल की पत्नी थीं शालिनीताई**

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शालिनीताई पाटिल का शनिवार को मुंबई में निधन हो गया। वह 94 वर्ष की थीं। वह महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री वसंतदादा पाटिल की पत्नी थीं। शालिनीताई पाटिल ने 1980 के दशक में विभिन्न कांग्रेस सरकारों में मंत्री के रूप में कार्य किया और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाई।

### लंबा राजनीतिक सफर

शालिनीताई ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत सतारा जिला परिषद की सदस्य के तौर पर की थी। इसके बाद वह कांग्रेस की महिला शाखा की अध्यक्ष भी बनीं। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में उन्होंने लोकसभा में सांगली का प्रतिनिधित्व किया और कोरेगांव से विधायक के रूप में भी सेवाएं दीं। उनके योगदान को राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जाता है।

### नेताओं ने जताया शोक

शालिनीताई पाटिल के निधन पर राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने उन्हें स्पष्टवादी और बेबाक नेता बताया। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र ने एक विशिष्ट व्यक्तित्व खो दिया है। सांसद उदयराजे भोसले ने उनके मार्गदर्शन को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि कठिन समय में दी गई उनकी सलाह और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता हमेशा याद रखी जाएगी।

## ब्रीफ न्यूज़

### आईएनएस सिंधुघोष पनडुब्बी 40 वर्ष बाद सेवामुक्त

**नई दिल्ली।** भारतीय नौसेना ने अपनी नौसैनिक पनडुब्बी 'आईएनएस सिंधुघोष' को सेवामुक्त कर दिया है। पश्चिमी कमान की ओर से शनिवार को जारी बयान में बताया गया कि सिंधुघोष ने देश को 40 वर्ष तक गौरवपूर्ण सेवाएं दीं। मुंबई में शुक्रवार को वाइस एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन की मौजूदगी में आयोजित समारोह में सिंधुघोष को ले. कमांडर रजत शर्मा की कमान में सेवामुक्त किया गया।

### देश में बिकने वाले अंडे खाने के लिए पूरी तरह से सुरक्षित

**नई दिल्ली।** देश भर में बिकने वाले अंडे खाने के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हैं और इन्हें खाने से कैंसर का खतरा बढ़ने वाले दावे पूरी तरह से निराधार हैं। यह दावा भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने किया है। एफएसएसएआई के अनुसार अंडों को कैंसर के खतरे से जोड़ने का दावा का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है।

पूर्व अग्निवीरों को राहत

## बीएसएफ में कांस्टेबल पद पर अब 50% कोटा

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीमा सुरक्षा बल (BSF) में कांस्टेबल भर्ती के लिए पूर्व अग्निवीरों के आरक्षण को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। इसके लिए BSF सामान्य ड्यूटी कैडर (गैर-गजटेड) भर्ती नियम, 2015 में संशोधन करते हुए गजट अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना के अनुसार, पूर्व अग्निवीरों को शारीरिक मानक परीक्षण (PST) और शारीरिक दक्षता परीक्षण (PET) से भी छूट दी जाएगी। सीधी भर्ती में हर भर्ती वर्ष में पूर्व अग्निवीरों के लिए 50 प्रतिशत पद आरक्षित रहेंगे, जबकि पूर्व सैनिकों के लिए 10 प्रतिशत और काम्बैटाइज्ड कांस्टेबल (ट्रेड्समैन) के लिए 3 प्रतिशत तक पद आरक्षित होंगे।

### दो चरणों में होगी भर्ती प्रक्रिया

अधिसूचना के मुताबिक, पहले चरण में पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षित 50 प्रतिशत रिक्तियों की भर्ती नोडल बल बीएसएफ द्वारा की जाएगी। दूसरे चरण में स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (SSC) के माध्यम से शेष 47 प्रतिशत पदों पर भर्ती होगी, जिसमें 10 प्रतिशत पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रहेंगे। साथ ही पहले चरण में किसी विशेष श्रेणी में पूर्व अग्निवीरों के पद खाली रह जाने की स्थिति में उन्हें भी दूसरे चरण में भरा जाएगा।

## इसरो को बड़ी कामयाबी

▸▸ गगनयान क्रू मॉड्यूल के लिए ड्रोग पैराशूट के अहम टेस्ट पूरे

एजेंसी । नई दिल्ली

इसरो ने गगनयान मिशन के लिए बड़ी सफलता हासिल की है। 18-19 दिसंबर को चंडीगढ़ में ड्रोग पैराशूट के क्वालिफिकेशन टेस्ट सफलतापूर्वक पूरे कर लिए गए। ये पैराशूट गगनयान क्रू मॉड्यूल को धरती पर लौटते समय स्थिर रखने और उसकी रफ्तार कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं। टेस्ट में अलग-अलग कठिन हालात में पैराशूट की मजबूती और भरोसेमंद काम करने की क्षमता साबित हुई। इसरो के मुताबिक गगनयान के डीसेलरेशन सिस्टम में कुल 10 पैराशूट होते हैं, जो क्रमबद्ध तरीके से खुलते हैं ताकि सुरक्षित लैंडिंग हो सके।



मानहानि मामला

## राहुल गांधी के खिलाफ सुनवाई 17 जनवरी तक टली

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी स्थित एक अदालत ने महात्मा गांधी की हत्या पर कथित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि मामले की सुनवाई शनिवार को 17 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर के अनुसार, यह मामला संयुक्त दीवानी न्यायाधीश (जूनियर डिविजन) पीएम कोलसे की अदालत में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध था। जमानतदार से जुड़ी प्रक्रियागत औपचारिकताएं पूरी न होने के कारण अदालत ने सुनवाई टाल दी। अय्यर ने बताया कि राहुल गांधी को नया जमानतदार पेश करने के लिए कहा गया है, क्योंकि उनके मौजूदा जमानतदार शिवराज पाटिल चाकूरकर का 12 दिसंबर को निधन हो गया था। पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष शिवराज पाटिल चाकूरकर का 90 वर्ष की आयु में लातूर में निधन हुआ।

### अगली तारीख और शिकायत का आधार

वकील ने बताया कि अगली सुनवाई 17 जनवरी को होगी, जिसमें राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहकर नया जमानतदार पेश करने का निर्देश दिया गया है। यह मानहानि शिकायत आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंटे ने दायर की है, जिसमें आरोप है कि राहुल गांधी ने महात्मा गांधी की हत्या के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को जिम्मेदार ठहराने वाला कथित बयान दिया था।

**बुनियाद ढांचा** — 89780 करोड़ की 38 परियोजनाओं का खाका

# महाराष्ट्र में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर होगा मजबूत

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र ने महाराष्ट्र में रेल नेटवर्क बढ़ाने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने राज्य में 89,780 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली 38 प्रमुख रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी है। रेल मंत्रालय के अनुसार, इन परियोजनाओं के तहत कुल 5,098 किलोमीटर लंबी पटरियों का निर्माण, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण का कार्य किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में रेल नेटवर्क की क्षमता को बढ़ाना और ट्रेनों के परिचालन को सुगम बनाना है। स्वीकृत योजना में 11 नई रेलवे लाइनें, 2 गेज परिवर्तन और 25 दोहरीकरण या मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं शामिल हैं।



### बजट आवंटन में 20 गुना से अधिक की वृद्धि

रेल मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले कुछ वर्षों में रेलवे के बुनियादी ढांचे के लिए आवंटित धन में भारी वृद्धि हुई है। वर्ष 2009 से 2014 के बीच, औसत वार्षिक व्यय लगभग 1,171 करोड़ रुपये था। इसकी तुलना में, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट आवंटन बढ़कर 23,778 करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछली राशि से ₹20 गुना से अधिक है।

### मुख्य विशेषताएं

सीएसएमटी और कुर्ला के बीच 5वीं और 6ठी लाइन का निर्माण।

हार्बर लाइन का गोरेगांव से बोरीवली तक विस्तार।

यात्री क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार ने 12 डिब्बों वाली 238 नई ट्रेन रेक को मंजूरी दी है। 19,293 करोड़ रुपये की लागत वाली इन नई ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे होंगे।

# तेंदुए के हमले के पीड़ितों को सरकार की आर्थिक मदद

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

राज्य सरकार ने भाईंदर (पूर्व) में तेंदुए के हमले में घायल नागरिकों को कुल 11.5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है। गंभीर रूप से घायल दीपू भौमिक और अंजलि टाक को 5–5 लाख रुपए, जबकि अन्य तीन घायलों को 50–50 हजार रुपए की सहायता दी गई है। मामूली रूप से घायल दो अन्य नागरिकों को उनकी स्थिति के अनुसार आगे सहायता देने का आश्वासन भी सरकार की ओर से दिया गया है।

## आवासीय इमारत में घुसा था तेंदुआ

गौरतलब है कि 19 दिसंबर को जंगल से भटककर आए एक तेंदुए ने भाईंदर (पूर्व) की एक आवासीय इमारत में घुसकर सात लोगों पर हमला कर दिया था। इस घटना में पांच घायलों का इलाज भारतरत्न पंडित भीमसेन जोशी सरकारी अस्पताल में चल रहा है। गंभीर रूप से घायल दीपू भौमिक और अंजलि टाक को बेहतर इलाज के लिए मुंबई के केईएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

## अंजलि पर हुआ सबसे गंभीर हमला

पीड़िता अंजलि के भाई ने बताया कि तेंदुए ने बेडरूम में सो रही अंजलि पर अचानक हमला कर उसके चेहरे को गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। अंजलि के चाचा छगनलाल ने साहस दिखाते हुए तेंदुए को पीछे से पकड़कर धक्का दिया, जिससे उसकी जान बच सकी। बाद में अग्निशमन विभाग ने खिड़की तोड़कर अंजलि को बाहर निकाला। केईएम अस्पताल में उसके चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी की गई है, हालांकि उसकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। पिछले पांच वर्षों में क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी की घटनाएं सामने आती रही हैं, लेकिन शहर के बीच रिहायशी इलाके में घुसकर इंसानों पर हमला करने की यह पहली घटना है। अब तक उत्तन के केशव सृष्टि परिसर और आसपास के इलाकों में तेंदुए के दिखने की सूचना मिलती रही थी, जहां उसने कुत्तों और मुर्गियों का शिकार किया था। इस घटना ने इंसानों और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है।

## रेस्क्यू ऑपरेशन और जांच जारी

दमकल विभाग के अनुसार सूचना मिलते ही जवान अमर, मयूर, भावेश, बुधा नागरे और नंदू घरत मौके पर पहुंचे और स्थानीय सुरक्षा रक्षक के साथ मिलकर स्थिति संभाली। रेस्क्यू टीम के साथ मौजूद सर्प इंडिया संस्था के सदस्य आसिफ पत्रावाला ने बताया कि वयस्क नर तेंदुए को पकड़कर नेशनल पार्क लेपर्ड रेस्क्यू सेंटर ले जाया गया है, जहां उसके व्यवहार की निगरानी की जा रही है। वन मंत्री ने भी स्पष्ट किया कि तेंदुआ शहर में कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े उपाय किए जाएंगे।

## वन मंत्री और विधायक ने किया दौरा

विधायक नरेंद्र मेहता द्वारा सरकार से आर्थिक मदद की मांग किए जाने के बाद राज्य के वन मंत्री गणेश नाईक ने घटनास्थल और अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने पीड़ितों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और सरकार की ओर से आर्थिक सहायता के चेक सौंपे। वन मंत्री ने आश्वासन दिया कि घायलों को हर संभव मदद दी जाएगी और सरकार पूरी तरह उनके साथ खड़ी है।

# वसंत विहार में अवैध जुए के अड्डे पर पुलिस का छापा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे शहर के वसंत विहार परिसर में अवैध रूप से संचालित जुए के अड्डे पर चितलसर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोहन राठोड (52) समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्तचर से मिली सूचना और सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के बाद यह कदम उठाया गया। वीडियो में वसंत विहार परिसर में खुलेआम मटका और जुआ खेले जाने का दृश्य सामने आया था, जिसे पुलिस ने गंभीरता से लिया। पुलिस उपायुक्त प्रशांत कदम और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुनील वरुडे के मार्गदर्शन में 16 दिसंबर की रात करीब साढ़े आठ बजे कार्रवाई की गई। पुलिस उपनिरीक्षक अमित ताकवले की टीम ने वसंत विहार चौक के पास शिव मंदिर के सामने खुली जगह पर छापा मारते हुए मोहन राठोड के अलावा सचिन मांजरेकर (25), सागर बर्मन (36) और रत्नेश बिंद (24) को हिरासत में लिया। आरोपियों के पास से 6,050 रुपए नकद और जुए से संबंधित सामग्री जब्त की गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

# शातिर चोर गिरफ्तार

## 1.87 लाख रुपए का चोरी का माल बरामद

## मोटरसाइकिल व मोबाइल चोरी के 8 मामले सुलझे

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत मोटरसाइकिल और मोबाइल चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अपराध शाखा द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार चल रहे इस अभियान के तहत भिवंडी क्राइम ब्रांच यूनिट-2 को बड़ी सफलता मिली है, जहां पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर मोटरसाइकिल व मोबाइल चोरी के कुल 8 मामलों का खुलासा किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस हवलदार साबिर शेख और पुलिस सिपाही अमोल इंगळे को मिली गुप्त सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे के नेतृत्व में पुलिस उपनिरीक्षक रविंद्र बी. पाटील व उनकी टीम ने कार्रवाई की।

इस दौरान सहजील सिराज अहमद मोमीन उर्फ हमजा (23), निवासी खान कंपाउंड, मोमीनपुरा भिवंडी और मुझीब अब्दुल शेख (35), निवासी आमिनाबाग झोपड़पट्टी, नदीनाका भिवंडी को हिरासत में लिया गया।

### दो बाइक और आधा दर्जन मोबाइल बरामद

पूछताछ के दौरान आरोपियों के कब्जे से 2 मोटरसाइकिल और 6 मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी कुल कीमत लगभग 1 लाख 87 हजार रुपए आंकी गई है। इस बरामदगी के साथ भोईवाड़ा, भिवंडी शहर, भिवंडी तालुका (ठाणे ग्रामीण), निजामपुरा और शांतिनगर पुलिस स्टेशनों में दर्ज कुल 8 चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमरसिंह जाधव और सहायक पुलिस आयुक्त (जांच-1) शेखर बागडे के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

# टीएमसी में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की चुनावी बैठक

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका के आम चुनाव की पृष्ठभूमि में आचार संहिता को प्रभावी रूप से लागू करने के उद्देश्य से ठाणे महानगरपालिका चुनाव विभाग ने गुरुवार को सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक आयोजित की। बैठक में चुनाव प्रक्रिया, नियमों के पालन, खर्च सीमा और कानूनी प्रावधानों को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन किया गया।

यह बैठक ठाणे मनपा के अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उपायुक्त (चुनाव) उमेश बिरारी, जी.जी. गोड़ेपुरे, उपायुक्त भालचंद्र बेहरे, आचार संहिता टीम प्रमुख व उप जिलाधिकारी वैशाली लंभाटे, तहसीलदार प्रिया जांभाले-पाटिल, कैंडिडेसी खर्च व लेखा सत्यापन टीम प्रमुख दिलीप सूर्यवंशी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार प्रत्येक उम्मीदवार के लिए अधिकतम चुनावी खर्च सीमा 13 लाख रुपए निर्धारित की गई है। इस सीमा में बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स, वाहन प्रचार, सभाएं, रैलियां, लाउडस्पीकर, सोशल मीडिया प्रचार और मुद्रित सामग्री का खर्च शामिल होगा। अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे ने स्पष्ट किया कि किसी भी रैली या सभा के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य रहेगा।

### सरकारी संसाधनों के उपयोग पर रोक

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि आदर्श आचार संहिता के तहत चुनाव प्रचार के लिए सरकारी मशीनरी, कर्मचारी, वाहन या सरकारी संपत्ति का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। उपायुक्त चुनाव उमेश बिरारी ने बताया कि धर्म, जाति या समाज में विभाजन करने वाले भाषण, साथ ही मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए उपहार या नकद वितरण पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### खर्च रजिस्टर और मीडिया मॉनिटरिंग अनिवार्य

उम्मीदवारों को चुनावी खर्च का अलग रजिस्टर रखना होगा और सभी खर्चों का विवरण रसीदों सहित समय-समय पर चुनाव प्रशासन को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। खर्च निरीक्षक इसकी जांच करेंगे और सीमा उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई, अयोग्यता की सिफारिश और मामला दर्ज किया जाएगा। साथ ही सोशल मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रचार के लिए एमसीएमसी (मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी) से पूर्व अनुमति आवश्यक होगी, अन्यथा आपत्तिजनक सामग्री पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

# बिजली के सामान के गोदाम में आग लगी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी तालुका में शनिवार सुबह बिजली सामान के एक गोदाम में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भिवंडी निजामपुर नगर निगम (बीएनएमसी) के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख साकिब खरबे ने बताया कि इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आग पूर्वाह्न करीब 11 बजे पारसनाथ कंपाउंड में स्थित गोदाम में लगी। सूचना मिलते ही दमकल की कम से कम दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया।

ठाणे नगर निगम चुनाव

# भाजपा-शिवसेना गठबंधन पर जल्द होगा निर्णय

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे नगर निगम चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच गठबंधन पर फैसला अगले दो दिनों में होने की संभावना है। दोनों दल सीट-बंटवारे और साझा रणनीति को लेकर सतर्कता के साथ विचार कर रहे हैं, ताकि चुनाव में किसी तरह की असहज स्थिति से बचा जा सके। ठाणे को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का गृह क्षेत्र माना जाता है। हाल के दिनों में शिवसेना

के कुछ कार्यकर्ताओं के भाजपा में शामिल होने के बाद जिले में दोनों दलों के बीच राजनीतिक तनाव की स्थिति बनी थी, जिससे गठबंधन को लेकर चर्चाएं और तेज हो गईं।

### नेताओं की बैठक और संकेत

शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने बताया कि दोनों दलों के वरिष्ठ नेता गठबंधन और सीटों के बंटवारे पर अंतिम निर्णय लेंगे। यह बयान भाजपा और शिवसेना नेताओं की हालिया बैठक के बाद आया, जिसमें चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई।

### महायुति की रणनीति और चुनाव कार्यक्रम

भाजपा विधायक संजय केलकर के अनुसार बैठक का उद्देश्य महायुति की चुनावी रणनीति तय करना था। इसमें वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और जमीनी कार्यकर्ता शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में विकास और निर्णायक जीत के संकल्प के साथ चुनाव लड़ा जाएगा। उल्लेखनीय है कि बीएमसी सहित महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे और मतगणना अगले दिन की जाएगी।

# जल्द हो सकती है महायुति की घोषणा

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मुंबई में भाजपा नेता आशीष शेलार ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की। यह बैठक मीरा-भायंदर में करीब एक घंटे तक चली। सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान मीरा रोड मनपा चुनाव को एकसाथ लड़ने को लेकर दोनों नेताओं के बीच विस्तार से चर्चा हुई। इसके साथ ही मुंबई महानगरपालिका चुनाव में भी शिवसेना-भाजपा महायुति एकजुट होकर चुनाव लड़ने पर सहमति बनी है। बैठक के बाद संकेत मिले हैं कि महायुति की औपचारिक घोषणा जल्द की जा सकती है।

# विधवाओं के अधिकार के लिए स्वतंत्र वैधानिक निकाय के गठन की मांग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारत में विधवा महिलाओं को आज भी सामाजिक बहिष्कार, मानसिक पीड़ा और संपत्ति के अधिकारों से वंचित किए जाने जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं को लेकर महाराष्ट्र स्थित स्वयंसेवी संगठन महात्मा फुले समाज सेवा मंडल (एमपीएसएसएम) ने केंद्र सरकार से विधवाओं के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए एक स्वतंत्र वैधानिक निकाय के गठन की मांग की है।

एमपीएसएसएम ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए विधवाओं को उस 'प्रणालीगत और आजीवन अन्याय' से बचाने की अपील की है, जो उन्हें समाज के हाशिए पर धकेल देता है। संगठन का कहना है कि मौजूदा सामाजिक ढांचे और व्यवस्था की बेरुखी के कारण विधवाएं सुरक्षा, सम्मान और न्याय से वंचित रह जाती हैं।

संगठन के अनुसार, विधवाओं को सामाजिक बहिष्कार के साथ-साथ मानसिक आघात, यौन शोषण के खतरे और आर्थिक असुरक्षा झेलनी पड़ती है। कई मामलों में उन्हें उनके वैध संपत्ति और उत्तराधिकार अधिकारों से भी बेदखल कर दिया जाता है, जिससे उनका जीवन और अधिक असुरक्षित हो जाता है।

### मौजूदा आयोगों की सीमाएं

संस्था के अध्यक्ष प्रमोद झिंजाडे ने कहा कि देश में राष्ट्रीय और राज्य महिला आयोग मौजूद हैं, लेकिन उनका कार्यक्षेत्र अत्यंत व्यापक है। इस कारण वे विधवाओं से जुड़े विशिष्ट और संवेदनशील मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाते। जबकि संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 समानता और गरिमापूर्ण जीवन की गारंटी देते हैं, फिर भी विधवाओं के लिए कोई अलग वैधानिक निकाय नहीं है। विधवाओं की सुरक्षा को 'संवैधानिक आवश्यकता और नैतिक दायित्व' बताते हुए प्रमोद झिंजाडे ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखकर 'अंतरराष्ट्रीय विधवा अधिकार आयोग' (IWRC) के गठन की मांग की है। संगठन का मानना है कि जैसे जटिल बीमारियों के लिए विशेषज्ञ उपचार केंद्र जरूरी होते हैं, वैसे ही विधवाओं के अधिकारों की प्रभावी रक्षा के लिए एक समर्पित आयोग समय की मांग है।

# मुंबई ग्लोबल की ओर से 27वां मुंबई अवॉर्ड नाइट एवं फैशन शो भव्यता के साथ संपन्न

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई ग्लोबल के तत्वावधान में 27वां मुंबई अवॉर्ड नाइट एवं फैशन शो का भव्य आयोजन मुंबई के प्रतिष्ठित इलीट बैंक्वेट हॉल में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस मेगा इवेंट का आयोजन मुंबई ग्लोबल समाचार पत्र के सीईओ राजकुमार तिवारी द्वारा किया गया, जिसमें फिल्म, टेलीविजन, संगीत, फैशन, मीडिया, समाजसेवा और व्यवसाय जगत की कई जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत की।

कार्यक्रम की समस्त जिम्मेदारी पुनीत आर. खरे (मयूरी मीडिया वर्क्स) ने निभाई, जबकि मंच संचालन वैभव शर्मा ने प्रभावशाली अंदाज़ में किया। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार चैतन्य पाडुकोण, अभिनेता राजू टोंक तथा समाजसेवी, अभिनेता व निर्माता डॉ. अजय सहाय की विशेष उपस्थिति रही।

इस अवसर पर वीआईपी गेस्ट के रूप में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अभिनेता जे. ब्रैंडन हिल उपस्थित रहे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में मशहूर पार्श्वगायक बाली ब्रह्मभट्ट ने समारोह की शोभा बढ़ाई। आयोजन को सफल बनाने में को-ऑर्गनाइज़र पुनीत आर. पी. शर्मा और वैभव शर्मा की अहम भूमिका रही।

समारोह में तीन प्रमुख श्रेणियों में सम्मान प्रदान किए गए, जिनमें मुंबई ग्लोबल आइकॉनिक अवॉर्ड, ग्लोबल इंडिया डिवाइन अवॉर्ड तथा हिंदुस्तान रत्न अवॉर्ड शामिल रहे। हिंदुस्तान रत्न अवॉर्ड से नताशा फर्नांडीज़ (फिल्म अंदाज़ 2 – सर्वश्रेष्ठ नकारात्मक भूमिका) और अकाइशा वत्स (फिल्म अंदाज़ 2 – सर्वश्रेष्ठ मुख्य अभिनेत्री) को सम्मानित किया गया।

मुंबई ग्लोबल आइकॉनिक अवॉर्ड संगीत निर्देशक राशिद खान, अभिनेत्री सुनीधि चौहान, पात्राली चट्टोपाध्याय, अंतरराष्ट्रीय गायिका अलका भटनागर तथा बॉलीवुड, सैंडलवुड और नेपाली फिल्म अभिनेता कमल घिमिरे को प्रदान किया गया। वहीं ग्लोबल इंडिया डिवाइन अवॉर्ड अभिनेत्री याशिका बसेरा और शुभति दास को मिला। कार्यक्रम के ब्रांड एंबेसडर एंजेल टेटार्बे, सुपर्णा कुमार, अन्नू सिंह, हीना खान, नीलम नारायण और फैशन कोरियोग्राफर शोनेट एंथनी बैरेटो रहे। प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्टों को भी सर्टिफिकेट व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

# पैनल नंबर 15 से अधिकृत उम्मीदवार घोषित

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका चुनावों को ध्यान में रखते हुए शिवसेना शिंदे गुट ने पैनल नंबर 15 से काजल अमर जग्यासी को आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया है। अमर जग्यासी पेशे से इंजीनियर हैं और सामाजिक कार्यों के माध्यम से क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं, जिससे पैनल 15 में शिंदे गुट की स्थिति मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है। उम्मीदवारी की घोषणा शिवसेना के उपजिला प्रमुख आरुण आशान ने की। उन्होंने कहा कि काजल अमर जग्यासी शिक्षित, कर्मठ और जनसमस्याओं के प्रति

संवेदनशील नेतृत्व का प्रतीक हैं। विशेष रूप से सिंधी समाज में उनकी मजबूत पकड़ के कारण पार्टी को व्यापक जनसमर्थन मिलने की संभावना है। इस अवसर पर शिवसेना के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उम्मीदवार की घोषणा के बाद समर्थकों में उत्साह का माहौल बना हुआ है और शिंदे गुट आगामी चुनाव में बड़ी जीत की रणनीति पर काम कर रहा है।

# 'केश सज्जाकार' को यौन उत्पीड़न के आरोप में तीन साल की जेल

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे में पॉक्सो अधिनियम अदालत ने एक केश सज्जाकार (हेयर स्टाइलिस्ट) को उसके सैलून में 'स्पा ट्रीटमेंट' कराने पहुंची 17 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न करने का दोषी ठहराते हुए उसे तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश रूबी यू मालवंकर ने 16 दिसंबर के अपने आदेश में (जिसका विवरण शनिवार को उपलब्ध कराया गया) सलमान को भारतीय दंड संहिता की धारा 354 और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा आठ के तहत तीन साल जेल की सजा सुनाई। उस पर 4000 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। मुकदमे के दौरान आठ गवाहों से पूछताछ की गई।

यह घटना 16 जुलाई, 2017 को मीरा रोड स्थित एक सैलून में घटी थी। विशेष लोक अभियोजक रेखा हिवरले ने अदालत को बताया कि आदिल यासीन सलमानी (22) 'स्पा ट्रीटमेंट' करने के बहाने पीड़िता को एक केबिन में ले गया और उसके साथ यौन उत्पीड़न किया।

# बीजेपी विधायक ने बीच सड़क रिक्शा चालक को जड़ा थप्पड़

## सोशल मीडिया पर पराग शाह का वीडियो हुआ वायरल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के घाटकोपर इलाके में उस समय सनसनी फैल गई, जब स्थानीय भाजपा विधायक पराग शाह का एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया। वीडियो में विधायक एक रिक्शा चालक

की सरेआम पिटाई करते और उसे अपशब्द कहते नजर आ रहे हैं। इस घटना के सामने आते ही सियासी गलियारों में तीखी बहस छिड़ गई है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियो में घाटकोपर ईस्ट के विधायक का गुस्सा साफ दिखाई देता है। वे रिक्शा चालक के कान के पास जोर से मारते हुए और उसे गाली देते नजर आते हैं। बताया जा रहा है कि यह घटना महात्मा गांधी मार्ग पर हुई, जहां रिक्शा चालक गलत दिशा से वाहन चला रहा था, जिससे विधायक भड़क उठे।

### अतिक्रमण विरोधी दौरे के दौरान बढ़ा विवाद

दरअसल, विधायक पराग शाह घाटकोपर के वल्लभबाग लेन और खौगली जैसे व्यस्त इलाकों का निरीक्षण कर रहे थे। यहां फुटपाथों पर अवैध अतिक्रमण और यातायात नियमों के उल्लंघन से आम लोगों को परेशानी हो रही थी। इसी दौरान जब उन्होंने एक रिक्शा को रॉन्ग साइड से आते देखा, तो मामला बहस से आगे बढ़कर मारपीट तक पहुंच गया।

# ठाकरे को जोर का झटका

## भोईर और वाघेरे भाजपा में शामिल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं के चुनावी कार्यक्रम राज्य निर्वाचन आयोग ने घोषित कर दिए हैं। इसके साथ ही मंगलवार से नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। चुनावी प्रक्रिया शुरू होते ही राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और चुनाव से पहले ही दलबदल का दौर खुलकर सामने आने लगा है। चुनाव से पहले शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका लगा, जब उद्धव ठाकरे के करीबी माने जाने वाले पूर्व विधायक सुभाष भोईर और पिंपरी-चिंचवड के पूर्व महापौर संजोग वाघेरे अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। इसके साथ ही शरद पवार गुट और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की एनसीपी को भी दलबदल से नुकसान उठाना पड़ा है।

### ठाणे–पुणे–पिंपरी में भाजपा में शामिल हुए कई नेता

महानगरपालिका चुनाव से पहले ठाणे, पुणे और पिंपरी-चिंचवड में ठाकरे गुट, एनसीपी (एसपी) और एनसीपी (एपी) के कई नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। कल्याण ग्रामीण के पूर्व विधायक सुभाष भोईर अपने बेटे सुमित और समर्थकों के साथ भाजपा में लौट आए, वहीं पिंपरी-चिंचवड के पूर्व महापौर संजोग वाघेरे भी कई पूर्व नगरसेवकों के साथ भाजपा में शामिल हुए।

### चुनाव में बढ़ेगी भाजपा की ताकत

शनिवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रवेश कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि इन नेताओं के पार्टी में शामिल होने से महानगरपालिका चुनाव में भाजपा की ताकत और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व से प्रभावित होकर लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। इस अवसर पर विधायक संजय केलकर, निरंजन डावखरे और ठाणे भाजपा शहर जिला अध्यक्ष संदीप लेले सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

### पुणे क्षेत्र से भी बड़ी राजनीतिक हलचल

पुणे में भी शरद पवार गुट को झटका लगा है। यहां विधायक बापूसाहेब पठारे के बेटे सुरेंद्र पठारे, मनसे के दिवंगत विधायक रमेश वांजले की बेटी सायली वांजले, पूर्व नगरसेवक सचिन दोडके, बालासाहेब धनकवड़े सहित कई नेता अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। राजनीतिक जानकार इसे विपक्षी दलों के लिए मनपा चुनाव से पहले बड़ी चुनौती मान रहे हैं।

## ग्रुप 'ए' में 190 चिकित्सा अधिकारियों की पदोन्नति

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

लोक स्वास्थ्य विभाग में ग्रुप 'बी' कैडर में कार्यरत 190 चिकित्सा अधिकारियों को ग्रुप 'ए' कैडर के रिक्त पदों पर पदोन्नत किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर के निर्देश पर यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और परामर्श के माध्यम से संपन्न कराई गई। राज्य के आदिवासी, दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह अहम निर्णय लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने पदोन्नति कोटे के तहत चिकित्सा अधिकारियों की वरीयता के अनुसार नियुक्तियां की हैं, जिससे वरिष्ठ पदों की रिक्तियां शीघ्र भर सकेंगी। इससे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित सभी अस्पतालों का संचालन अधिक प्रभावी होगा और खासतौर पर दूरदराज़ क्षेत्रों में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे अधिकारियों का मनोबल बढ़ा है और स्वास्थ्य मंत्री ने उम्मीद जताई है कि इसका सकारात्मक असर राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं पर दिखाई देगा।

# पुलिस अधिकारी बनकर एनकाउंटर की धमकी

## एक करोड़ वसूले

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मालाड पूर्व इलाके में रहने वाले गैस एजेंसी संचालक राहुल टेकचंद गुप्ता (39) को चार लोगों ने खुद को वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बताकर एनकाउंटर की धमकी दी और उनसे करीब एक करोड़ रुपये की ठगी कर ली। आरोपियों ने खुद को मुंबई पुलिस आयुक्त, जॉइंट सीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी बताते हुए इस तरह डराया कि राहुल मानसिक रूप से टूट गए और आत्महत्या के इरादे से घर छोड़कर चले गए।

### उधार से शुरू हुआ ठगी का खेल

दिंडोशी पुलिस के अनुसार राहुल गुप्ता से प्रवीण खेडेकर नामक व्यक्ति ने ऑनलाइन 10,600 रुपये उधार लिए थे। इसके कुछ दिन बाद एक अनजान नंबर से फोन आया, जिसमें कॉलर ने खुद को मुंबई का संयुक्त पुलिस आयुक्त बताते हुए कहा कि प्रवीण ने एक हत्या की है और उसकी सुपारी देने के आरोप में राहुल को गिरफ्तार किया जाएगा। गिरफ्तारी से बचने के बदले 50 हजार रुपये की मांग की गई।

धमकियों से डरे राहुल ने धनजीवाड़ी स्थित बीएमसी गार्डन में एक बुजुर्ग व्यक्ति को 50 हजार रुपये नकद दे दिए। इसके बाद भी ठगी का सिलसिला नहीं रुका और अलग-अलग नंबरों से लगातार फोन कर पैसों की मांग की जाती रही।

### एनकाउंटर और अपहरण की धमकी

एक बार कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस आयुक्त बताते हुए कहा कि यदि 20 लाख रुपये नहीं दिए गए तो राहुल का एनकाउंटर कर दिया जाएगा और परिवार का अपहरण होगा। भय के चलते राहुल ने विभिन्न वित्तीय संस्थानों से कर्ज लेकर आरोपियों को पैसे भेजे। सितंबर 2024 से 14 दिसंबर 2025 के बीच उनसे कुल 99 .16 लाख रुपये की वसूली की गई। 14 दिसंबर को फिर से पैसों की मांग होने पर राहुल गहरे मानसिक दबाव में आ गए और 15 दिसंबर को आत्महत्या के इरादे से घर छोड़कर चले गए। उनकी पत्नी ने दिंडोशी पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।

गावड़े हत्याकांड

# एनआईए ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

## माओवादियों ने आरएसएस से लिंक और सुरक्षा बलों को सूचना के चलते किया था मर्डर

### तेलंगाना के निजामाबाद जिले का मामला

**मुंबई।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने महाराष्ट्र के दिनेश पुसु गावड़े हत्याकांड में फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों वांछित आरोपी प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) आतंकवादी संगठन के सदस्य हैं। इस केस में माओवादियों ने गावड़े का अपहरण कर बेरहमी से मर्डर कर दिया था, क्योंकि उन्हें संदेह था कि वह आरएसएस का सदस्य है और सुरक्षा बलों के साथ सूचना साझा करता है। माओवादी, इस मर्डर के जरिए लोगों को यह संदेश देना चाहते थे कि वे आरएसएस से दूर रहें और नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाने वाले सुरक्षा बलों से कोई बातचीत न करें।

एनआईए के मुताबिक, दोनों वांछित आरोपी, जो माओवादी आतंकवादी संगठन के सदस्य हैं, इनकी पहचान तेलंगाना के निजामाबाद जिले के रघु उर्फ प्रताप उर्फ इरपा उर्फ मुद्देला उर्फ सैलू और महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले के शंकर महाका के रूप में हुई है। दिनेश पुसु गावड़े की नवंबर 2023 में गढ़चिरोली में सीपीआई (माओवादी) के सदस्यों द्वारा बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

### स्थानीय ग्रामीणों में दहशत फैलाने की साजिश

उन पर पुलिस मुखबिर होने और आरएसएस का सदस्य होने का संदेह था। यह अपराध संगठन की उस साजिश के तहत किया गया था, जिसके तहत स्थानीय ग्रामीणों में दहशत फैलाई जानी थी। उन्हें नक्सली गतिविधियों और आंदोलनों से संबंधित कोई भी जानकारी सुरक्षा बलों के साथ साझा करने से रोका जाना था।

# अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले को लेकर बरसे आजमी

## बांग्लादेश में हुई हिंसा के बाद दी प्रतिक्रिया

धीरज सिंह । मुंबई

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे कथित हमलों को लेकर महाराष्ट्र से समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि चाहे पीड़ित हिंदू हो या मुस्लिम, अगर कोई किसी के साथ गलत करता है तो उसे सख्त सजा मिलनी चाहिए। ऐसी घटनाएं जहां भी हों और जिसके साथ भी हों, उनकी निंदा होनी चाहिए।

### 'अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना जरूरी'

अबू आजमी ने यह भी कहा कि किसी भी देश में अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना जरूरी है, लेकिन साथ ही अपने देश में हो रही घटनाओं पर पहले सवाल उठना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरे देश में जिन लोगों ने आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया, जिन्होंने कभी देश से गद्दारी नहीं की, आज उन्हें देशद्रोही कहा जा रहा है। यह कैसा इंसाफ है?'

### सीएम नीतीश कुमार पर भी बरसे सपा विधायक

इसके अलावा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जुड़ा एक वायरल वीडियो सामने आने पर भी सपा विधायक अबू आजमी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। वीडियो में नीतीश कुमार एक महिला का हिजाब हटाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। इस पर अबू आजमी ने कहा कि यह हरकत बिल्कुल गलत है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री जैसे बड़े पद पर बैठा हो, तो उससे ज्यादा जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की उम्मीद की जाती है। अबू आजमी के अनुसार, इस मामले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए, ताकि समाज में सही संदेश जाए और किसी भी धर्म या समुदाय की भावनाओं को ठेस न पहुंचे।

## एमआईएम के शाह आलम अजित पवार की उपस्थिति में एनसीपी में शामिल

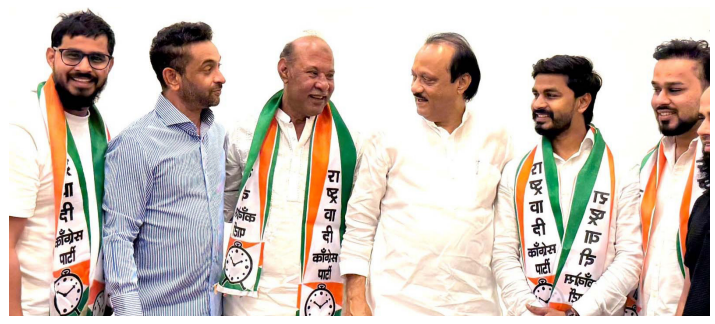

**मुंबई।** राष्ट्रवादी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के मार्ग दर्शन में , आल इंडिया मजलिस ए इतेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) पार्टी के कॉर्पोरेटर शाह आलम आज पब्लिकली नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। इस मौके राष्ट्रवादी कांग्रेस अजीत गुट के महाराष्ट्र के महामंत्री तथा ठाणे जिला अध्यक्ष नजीब मुल्ला ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर राजू अंसारी डॉ. मुमताज शाह, शाहबाज आजमी, फहाद आजमी, अब्दुल हामिद आजमी भी मौजूद थे।


**पश्चिम रेलवे**

**संशोधन (शुद्धिपत्र)**

निविदा सूचना संख्या: BCT/25-26/276, दिनांक 10.12.2025, जिसकी अंतिम तिथि 06.01.2026 है। पूर्व में प्रकाशित विवरण के अनुसार: एनआईटी की लागत: 82,76,300.00 ईएमडी: 1,65,500.00 अब इसे निम्नानुसार पढ़ा जाए: एनआईटी की संशोधित लागत: 56,67,602.57 संशोधित ईएमडी: 1,13,400.00 अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी।

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly 0920

**मध्य रेल**

सोलापुर मंडल

**PROVISION OF CCTV FACILITY**

मध्य रेल कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से दिनांक को बजे तक निम्नलिखित कार्यों के लिये ई निविदा आमंत्रित करते है। **ई निविदा सूचना क्र.: SUR-C-WKS-CCTVGOODS-SHED, दिनाक 19.12.2025. कार्य का नाम:** Provision of CCTV facility in 10 goods sheds over Solapur division. **अनुमानित लागत:** रु.14614457.59. **बयाना रक्कम:** रु. 223100/-. **समापन की अवधी:** 6 महीने। **अनुरक्षण की अवधी:** 12 महीने। **ई निविदा फार्म की किमत:** शून्य। **वेबसाइट ई निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तरिख और समय:** 12.01.2026 up to 15:00 hrs. **वेबसाइट ई निविदा खोलने की तरिख और समय:** 12.01.2026 after 15:30 hrs. **वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in नोट:** संभावित निविदा देने वालों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा बंद होने की तारीख से पहले इस टेंडर के लिए जारी किए गए किसी भी बदलाव / शुद्धिपत्र को देखने के लिए वेबसाइट पर बार-बार आते रहें। वेबसाइट: **www.ireps.gov.in**

मंडल रेल प्रबंधक / (वाणिज्य), मध्य रेल, सोलापुर

DE/Sur-75

टिकट के लिए यूटीएस ऐप डाउनलोड करें

**मध्य रेल**

**सामग्री के प्रापण हेतु**

**विद्युतीय कार्य**

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबन्धक, मुंबई डिविजन, छ. शि. म.ट., मुम्बई द्वारा निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रानिक निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा सं. 92255892A, 14/2025, दिनांक 18.12.2025. विवरण:** 6400 mm ओवर राइडिंग डिरेलिंग स्विच 1 इन 8.5 का फैब्रिकेशन और सप्लाई, PSC स्लीपर्स पर BG (1673mm ) 60kg के लिए T/Out, RDSO ड्रग नंबर T-6068 Alt. 4 के लिए लेटेस्ट बदलाव के साथ और स्पेसिफिकेशन नंबर IRS T-10-2023 के अनुसार, लेटेस्ट सुधार के साथ। **मात्रा:** 23 सेट। **धरोहर राशि:** रु.136480/-. **खुलने की तिथी:** 12.01.2026. **नोट: 1.** उपरोक्त निविदाएं IREPS वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है। फर्म, जो उपरोक्त ई-निविदा में भाग लेने के इच्छुक हो, को सलाह दी जाती है कि वे उपरोक्त बेवसाईट पर अपना ईलेक्ट्रोनिक पंजीकरण करा लें। इस ई निविदा के लिए हस्तलिखित निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। **2.** निविदाताओं को धरोहर राशि का भुगतान IREPS के माध्यम से ऑन लाइन करना होगा। **3.** इन निविदाओं के विवरण तथा अन्य शर्तों हेतु कृपया IREPS वेब साईट **www.ireps.gov.in** देखें। **4.** किसी शंका हेतु कृपया वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबन्धक, मुंबई डिविजन, छ. शि. म. ट. मुम्बई - 400001 को लिखें। ई-मेल: **srdmm@bb.railnet.gov.in नोट:** " यह निविदा सार्वजनिक खरीदनीति आदेश 2017 / दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है।

DE-764

टिकट के लिए यूटीएस ऐप डाउनलोड करें

**मध्य रेल**

**ई-निविदा सूचना क्रमांक. NIT/01/25/55 दिनांक 18 –दिसंबर-2025**

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकीओर से, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, मध्य रेलवे निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

| क्रमांक | निविदा क्रमांक | विवरण | मात्रा | नियत तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 27251914 ए | ब्रेक गियर पार्ट्स का सेट | 23 सेट | 05- जनवरी -26 |
| 2 | 50253101 | मुख्य रंग प्रकाश संकेत (एकीकृत) के लिए एलईडी सिग्नल लैंप, आरडीएसओ विनिर्देश संख्या आरडीएसओ/एसपीएन/199/2025 संशोधन 1.2 के अनुरूप, येलो अस्पेक्ट | 802 नग | 10- जनवरी -26 |
| 3 | 71255061 | नॉन सीएनसी हाइड्रोलिक प्रेस ब्रेक की आपूर्ति, क्षमता- 200 टन, सीएएमसी के साथ टर्नकी आधार पर, | 01 नग | 05- जनवरी -26 |
| 4 | 90252341बी | एल्युमिनियम चेकर शीट का आकार 3330 x 1250 x 2.03 मिमी | 95371के.जी | 02- जनवरी -26 |
| 5 | 90251025सी | एल्युमिनियम की चेकर शीट, आकार - 2770 x 813 x 2.03 मिमी | 37962. के.जी | 02- जनवरी -26 |
| 6 | 18252218ए | स्पिन-ऑन ईंधन फ़िल्टर | 527 नग | 05- जनवरी -26 |
| 7 | 50253081 | कम रखरखाव वाली लेड एसिड (एलएमएलए) बैटरी सेल, 2V x 80AH क्षमता। आरडीएसओ विनिर्देश संख्या आईआरएस: एस-88/2004 | 2192 नग | 12- जनवरी -26 |
| 8 | 71255060 | ईओटी क्रेन - 35 टन क्षमता | 01 नग | 19- जनवरी -26 |
| 9 | 27253414ए | शंटिंग कॉन्टैक्टर प्रकार: शंटिंग कॉन्टैक्टर प्रकार 111.01 से CLW DRG.NO. 1/TWD/111.111 ALT.10 | 255 नग | 05- जनवरी -26 |
| 10 | 50255377 | पीवीसी इंसुलेटेड आर्मर्ड अनस्क्रीन्ड कॉपर कंडक्टर अंडरग्राउंड रेलवे सिग्नलिंग केबल, साइज 12 कोर x 1.5 वर्ग मिमी, आरडीएसओ विनिर्देश संख्या आईआरएस:एस63/2014 (संशोधन 4.0) के | 5264 किमी | 05- जनवरी -26 |
| 11 | 27253486 | वाइपर मोटर | 373 नग | 12- जनवरी -26 |
| 12 | 27253408 | प्रेशर गेज का सेट | 138 सेट | 08- जनवरी -26 |
| 13 | 27253844ए | अर्थ रिटर्न ब्रश होल्डर असेंबली | 182 सेट | 12- जनवरी -26 |
| 14 | 27253505 | 360 डिग्री घूमने वाली ड्राइवर सीट | 705 नग | 08- जनवरी -26 |
| 15 | 27254592 | ईपी वाल्व | 44 नग | 08- जनवरी -26 |
| 16 | 42251442 | पैंटो पैन | 58 नग | 15- जनवरी -26 |
| 17 | 38254975 ए | एलएचबी कोचों के लिए उपयुक्त 4.5 किलोवाट अंडर स्लंग टाइप कांस्टेंट वोल्टेज रेगुलेटेड बैटरी चार्जर | 272 नग | 12- जनवरी -26 |
| 18 | 27254665 ए | पेंटोग्राफ के लिए बो असेंबली | 218 नग | 08- जनवरी -26 |
| 19 | 38255086 | बेहतर उच्च तन्यता वाला टाइट लॉक सेंटर बफर कपलर | 1374 नग | 16- जनवरी -26 |
| 20 | 38252234 | थर्मोप्लास्टिक पॉलिएस्टर इलास्टोमर (हाइट्रेल) अप्पर वॉशर | 8845 नग | 08- जनवरी -26 |
| 21 | 38251155 | हेक्स.हेड बोल्ट | 32223 नग | 20- जनवरी -26 |
| 22 | 5225CUMM INSRC | कमिंस स्पेयर पार्ट्स का रेट कॉन्ट्रैक्ट | 01 सेट | 22-दिसंबर-25 |
| 23 | Rc61252158 | इंजेक्शन बेनरालिज़ुमाब 30 एमजी/ एमएल | 76 नग | 22-दिसंबर-25 |
| 24 | 51256057 | आरडीएसओ ड्राइंग संख्या टी-2572 (वैकल्पिक-5) के अनुरूप पीएससी स्लीपर पर 60 किलोग्राम रेल के लिए चिपकाए गए जोड़ का निर्माण और आपूर्ति | 12000 नग | 22-दिसंबर-25 |
| 25 | RC62254710 | एबॉट एचडीएल अभिकर्मक | 780 नग | 22-दिसंबर-25 |
| 26 | RgC502590 02 | रेलवे सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रतिष्ठानों के लिए भूमिगत जेली-भरे 6 क्वाड x 0.9 मिमी व्यास वाले तांबे के कंडक्टर केबल आरडीएसओ विनिर्देश संख्या आईआरएस:टीसी-30/2005 (VER-1) | 12000 किमी | 24-दिसंबर-25 |
| 27 | 51256066 | ओवरराइडिंग स्विच 1 इन 12 और 1 इन 8.5 आरडीएसओ ड्राइंग संख्या T-4219-T-4966 | 1000 सेट | 22-दिसंबर-25 |
| 28 | RC61253073 | इंजेक्शन ग्लाइकोपेगिलेटेड रिकॉम्बिनेंट एक्सटेंडेड हाफ लाइफ फैक्टर VIII (यूनिट-IU) | 590055 नग | 22-दिसंबर-25 |
| 29 | 51256068 | आरडीएसओ ड्राइंग संख्या टी-8533 से टी-8536 के अनुसार 60 किलोग्राम और 52 किलोग्राम रेल के लिए 1 मीटर लंबी संयुक्त मछली प्लेट का निर्माण और आपूर्ति | 2660 सेट | 22-दिसंबर-25 |

**नोट:** उपरोक्त सभी निविदाएं ई-निविदाएं हैं और सभी निविदाकारों से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां IREPS वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। उपर्युक्त निविदाओं और अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया IREPS वेबसाइट पर जाएं।

DE-761

कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक

टिकट के लिए यूटीएस ऐप डाउनलोड करें

**पश्चिम रेलवे**

**निर्माण कार्य**

उप मुख्य अभियंता (निर्माण)–II, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा–390004 **ई-निविदा संख्या: DYCE-C-II-DB-SMLA-09 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** दभोई (अपवर्जित) से वाघोडिया (सम्मिलित) रेलवे स्टेशनों के बीच किमी 33.04 से किमी 54.00 (कुल 20.96 किमी) तक, मियागाम–दभोई–समलाया जीसी परियोजना के अंतर्गत, मौजूदा नैरो गेज ट्रैक को प्रस्तावित ब्रॉड गेज ट्रैक (25 टन लोडिंग मानक) में परिवर्तित करने के संबंध में शेष सिविल इंजीनियरिंग कार्यों का निर्माण। इसमें फॉर्मेशन, लघु/मुख्य पुल, आरयूबी/सबवे, स्टेशन भवन, स्टाफ क्वार्टर, प्लेटफॉर्म, यात्री सुविधाएँ, बैलास्ट की आपूर्ति एवं बिछाना, ट्रैक लिंकिंग, पी-वे (स्थायी पथ) कार्य तथा अन्य संबद्ध कार्य शामिल हैं। (वडोदरा मंडल, पश्चिम रेलवे) **अनुमानित कार्य लागत:** 2,399,106,871.11 **ईएमडी:** 10,000,000.00 **बोली खोलने की तिथि:** 07.01.2026 से 21.01.2026 तक, अपराह्न 15:00 बजे तक अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।

0908

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें x.com/WesternRly

**पश्चिम रेलवे**

**वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे**
**मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008।**
**कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर माध्यमों के माध्यम से विज्ञापनों का प्रदर्शन।**

| नीलामी कैटलॉग संख्या | नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट) |
|---|---|
| MMCT-ADVTM25-45 | 06-01-2026, समय: 14:00:00 |

| क्र. सं. | लॉट संख्या | स्थान/क्षेत्र | दिन | ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय |
|---|---|---|---|---|
| 1 | MSS-BCT-MMCT-MedStn-83-25-1 (Misc-Static-Services - स्टेशन पर मेडिकल सुविधाएं) | मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर इमरजेंसी मेडिकल रूम के जरिए 5 साल के लिए चौबीसों घंटे मेडिकल सुविधाएं देना। | 1826 | 06-01-2026, 14:30:00 |

| नीलामी कैटलॉग संख्या | नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट) |
|---|---|
| MMCT-ADVT-25-63 | 06-01-2026, 15:00:00 |

| क्र. सं. | लॉट संख्या | स्थान/क्षेत्र | दिन | ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय |
|---|---|---|---|---|
| 1 | ADVT-BCT-MMCT-OH-459-25-1 (विज्ञापन - घर से बाहर) | मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर 05 वर्षों की अवधि के लिए 28 ग्लो साइन यूनिपोल स्थापित कर विज्ञापन प्रदर्शन हेतु बल्क अधिकार। | 1826 | 06-01-2026, 15:30:00 |
| 2 | ADVT-BCT-MRU-OSN-358-24-1 (विज्ञापन - स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल) | माटुंगा रोड (MRU) स्टेशन पर 03 वर्षों की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार। | 1096 | 06-01-2026, 15:40:00 |
| 3 | ADVT-BCT-GMN-OSN-361-25-1 (विज्ञापन - स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल) | गोरेगांव (GMN) स्टेशन पर 03 वर्षों की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार। | 1096 | 06-01-2026, 15:50:00 |
| 4 | ADVT-BCT-JOS-OSN-449-25-1 (विज्ञापन - स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल) | जोगेश्वरी (JOS) स्टेशन पर प्लेटफॉर्मों पर 03 वर्षों की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार। | 1096 | 06-01-2026, 16:00:00 |

**संपर्क विवरण: लैंडलाइन नंबर: 022-67644212 ईमेल आईडी: acmadvtgbct@gmail.com**

नोट: भावी बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल देखें। उल्लेखित कैटलॉग के अंतर्गत लॉट-वार विवरण वहाँ उपलब्ध है।

0911

हमें लाइक करें facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें x.com/WesternRly


# सस्ते ड्राई फ्रूट्स के चक्कर में साइबर ठगी का शिकार हुए 'युधिष्ठिर'

## खाते से निकले 98 हजार रुपए

**मुंबई।** टीवी शो महाभारत में युधिष्ठिर की भूमिका निभाने वाले अभिनेता गजेंद्र सिंह चौहान साइबर ठगी का शिकार हो गए। 10 दिसंबर को उन्होंने फेसबुक पर डी-मार्ट के नाम से ड्राई फ्रूट्स बेहद सस्ते दामों में मिलने का एक विज्ञापन देखा और लिंक पर क्लिक किया। खरीद प्रक्रिया के दौरान वेरिफिकेशन के नाम पर गजेंद्र सिंह चौहान से बैंक खाते का ओटीपी मांगा गया। ओटीपी शेयर करते ही उनके खाते से 98 हजार रुपए निकल गए और तुरंत डिडक्शन का मैसेज आ गया। घटना के बाद अभिनेता ने तुरंत ओशिवारा पुलिस स्टेशन में साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस स्टेशन की साइबर सेल ने तेजी से कार्रवाई करते हुए ठगी की पूरी रकम रिकवर कर ली।

जांच में सामने आया कि ठगी की रकम राजोरपे से क्रोमा की ओर ट्रांसफर की जा रही थी। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय चव्हाण और पुलिस निरीक्षक आनंद पगारे के मार्गदर्शन में साइबर सेल अधिकारियों ने राशि को होल्ड कराकर उसे वापस अभिनेता के खाते में ट्रांसफर कराया।

### अभिनेता की अपील और पुलिस की सलाह

घटना के बाद गजेंद्र सिंह चौहान ने लोगों से अपील की कि वे भारी छूट वाले ऑनलाइन विज्ञापनों के झांसे में न आएं और कभी भी ओटीपी साझा न करें।

संपादकीय

# चूक से हादसे

लोकसभा में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का वह बयान तार्किक ही है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं मानवीय व्यवहार से जुड़ी हैं। निश्चय ही यदि वाहन चालकों को सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाए और हम जिम्मेदारी-सावधानी से वाहन चलाएं तो हर साल हजारों जिंदगियां बचायी जा सकती हैं। भारत में दुनिया के विकसित देशों के मुकाबले कम वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं, लेकिन सड़क हादसों के मामले में हम अव्वल हैं। विडंबना देखिए कि एक साल में देश के भीतर करीब पांच लाख सड़क हादसे दर्ज किए जाते हैं। बड़ी संख्या उन हादसों की भी है जो छोटे शहरों व भीतरी इलाकों में होते तो हैं, लेकिन दर्ज नहीं होते। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में हर साल करीब 1.8 लाख लोग इन हादसों में मारे जाते हैं। लाखों लोग इन हादसों में घायल होते हैं। हजारों लोग ऐसे भी होते हैं जो हादसों के बाद जीवनपर्यंत सामान्य जीवन नहीं जी पाते हैं। दुखद स्थिति यह भी है कि मरने वालों में सर्वाधिक संख्या युवाओं की होती है। एक आंकड़े के अनुसार मरने वालों में 66 फीसदी लोग 18 से 34 साल के बीच होते हैं। जो अपने परिवार के कमाने वाले व्यक्ति होते हैं। फलतः हादसे के बाद कई परिवार गरीबी के दलदल में धंस जाते हैं। दरअसल, सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण तेज गति से वाहन चलाना भी है। सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि ओवर स्पीडिंग से 68 फीसदी से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। वहीं निर्धारित स्पीड से अधिक तेजी से वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं के चलते ही 68 फीसदी मौतें भी होती हैं। निश्चित रूप से ये हादसे व मौतें मानवीय व्यवहार की कमजोरी से जुड़े हैं। जहां देश में राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे का तेजी से विस्तार हुआ है तो बेहतर सड़कों में वाहन चालकों की गति अनियंत्रित हो चली है। जो कालांतर सड़क हादसों की वजह बनती है। यह विडंबना है कि हम अकसर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं। आज की युवा पीढ़ी हेलमेट पहनने से परहेज करती है। यह जानते हुए कि हादसों में सिर की चोट जानलेवा बन जाती है। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में हेलमेट न लगाने के कारण 54,568 लोगों की मौत हुई। वहीं सीट बेल्ट न लगाने से 16 हजार से अधिक यात्रियों की जान गई। इन हादसों की एक बड़ी वजह ऐसे अकुशल चालकों का होना भी था, जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं था। आंकड़ों के अनुसार दुर्घटनाओं के लिये जिम्मेदार चालकों में 33,827 ऐसे थे जिनके पास लाइसेंस नहीं थे। देश में बड़ी संख्या ऐसे चालकों की होती है, जो मेडिकली फिट नहीं होते। इसके अलावा जुगाड़ से ले-देकर लाइसेंस बनाने वालों की भी कमी नहीं है। वे वाहन चलाने की पर्याप्त योग्यता व अनुभव के बिना ही चालक बन बैठते हैं। हाल के वर्षों में नशे की हालात में वाहन चलाने का फैशन भी बना है। कई हादसों के बाद खुलासा हुआ कि फलां चालक नशे में धुत था। हालांकि, महानगरों व शहरों में नाका लगाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों की पकड़-धकड़ की जाती है। लेकिन राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर ऐसी जांच बड़े पैमाने पर होती नजर नहीं आती। वहीं ऐसे चालकों की भी कमी नहीं है, जो फोन पर बात करते हुए वाहन चलाते हैं। जिससे लगातार दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। निश्चित रूप से फोन पर बातचीत करता व्यक्ति भावावेश में उद्वेलित हो सकता है, जिससे वाहन चलाने की गुणवत्ता बाधित होती है। वाहन को सुरक्षित ढंग से चलाना भी एक कला है। चालक का मानसिक रूप से शांत होना भी जरूरी है। हाल के दिनों में सड़कों की बेहतर स्थितियों में लोगों में रात में सफर करने का रुझान बढ़ा है। गाहे-बगाहे चालक को झपकी लगने पर दुर्घटना होने के समाचार अकसर सुनने में आते हैं। निश्चित रूप से सड़क हादसों के मूल में तकनीकी कारण और सड़कों के डिजाइन व गुणवत्ता की भी भूमिका होती है। लेकिन हमारी नियंत्रित गति, सावधानी व सजगता दुर्घटनाएं टाल भी सकती है।

# अरावली की रक्षा, मानसून की सुरक्षा

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार,
साहित्यकार-स्तम्भकार

अरावली पर्वतमाला केवल कुछ पहाड़ियों का समूह नहीं है, बल्कि यह भारत की जलवायु, कृषि, जल सुरक्षा और पारिस्थितिकी संतुलन की रीढ़ है। आज जब सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मंत्रालय की उस सिफारिश को मंजूरी दी है, जिसमें 100 मीटर से कम ऊँचाई वाली पहाड़ियों को अरावली की परिभाषा से बाहर रखने की बात कही गई है और साथ ही नए खनन पर रोक लगाई है, तब यह विषय केवल कानूनी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय भविष्य से जुड़ा हुआ बन जाता है। अरावली के कमजोर होने का सीधा असर मानसून की दिशा, वर्षा की मात्रा, नदियों के अस्तित्व और किसानों की आय पर पड़ता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक लंबे समय से चेतावनी देते आ रहे हैं कि "अगर अरावली नहीं रही, तो मानसून भारत में नहीं टिकेगा, बल्कि पाकिस्तान की ओर अधिक बरसेगा।" अरावली पर्वतमाला दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में गिनी जाती है। भूवैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार इसकी आयु लगभग 150 से 200 करोड़ वर्ष है। यह हिमालय से भी कहीं अधिक पुरानी है। दिल्ली से गुजरात तक लगभग 700 किलोमीटर में फैली यह पर्वतमाला हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के विशाल भूभाग को प्रभावित करती है। राजस्थान के 27 जिलों में अरावली का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा फैला हुआ है। यही वह क्षेत्र है, जहाँ से राज्य की खेती, पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जीवन मिलता है। हाल के वर्षों में अरावली पर अवैध और अनियंत्रित खनन का खतरा तेजी से बढ़ा है। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत आंकड़े बताते हैं कि 128 पहाड़ियों में से 31 पूरी तरह समतल हो चुकी हैं। यानी पहाड़ अब केवल कागजों में बचे हैं। वैज्ञानिक मानकों के अनुसार 190 मीटर की ऊँचाई की शर्त पूरी करने वाली चोटियों की संख्या केवल 1048 रह गई है। इससे यह साफ होता है कि अरावली का भौगोलिक और पारिस्थितिक स्वरूप तेजी से नष्ट किया जा रहा है। अरावली की भूमिका को समझने के लिए मानसून विज्ञान को समझना जरूरी है।दक्षिण-पश्चिम मानसून जब अरब सागर से नमी लेकर भारत की ओर बढ़ता है, तो अरावली पर्वतमाला एक प्राकृतिक अवरोध का काम करती है। यह पर्वतमाला मानसूनी हवाओं की गति को धीमा करती है और नमी को उत्तर भारत और पश्चिमी भारत में रोककर वर्षा करवाने में मदद करती है। यदि अरावली कमजोर होती है या समतल कर दी जाती है, तो मानसूनी हवाएँ बिना बाधा के आगे बढ़ जाती हैं और वर्षा का बड़ा हिस्सा पाकिस्तान और आगे के क्षेत्रों में गिर जाता है। इसी वैज्ञानिक तथ्य के आधार पर विशेषज्ञ कहते हैं कि अरावली का विनाश भारत के मानसून को कमजोर करेगा। जल विज्ञान की दृष्टि से भी अरावली का महत्व असाधारण है। चंबल, बनास, साबरमती और लूणी जैसी कई महत्वपूर्ण नदियाँ अरावली क्षेत्र से ही निकलती हैं या इसका जलग्रहण क्षेत्र इन्हें जीवन देता है। पहाड़ियों की चट्टानें और जंगल वर्षा जल को धीरे-धीरे जमीन में समाहित करते हैं, जिससे भूजल का पुनर्भरण होता है। यही भूजल राजस्थान जैसे शुष्क राज्य में खेती और पशुपालन का आधार है। यदि पहाड़ समतल हो गए और जंगल कट गए, तो वर्षा जल तेजी से बह जाएगा, नदियाँ सूखेंगी और कुएँ तथा ट्यूबवेल जवाब दे देंगे। राजस्थान की कृषि व्यवस्था मानसून और भूजल पर निर्भर है। बाजरा, गेहूं, सरसों, चना और दलहन जैसी फसलें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अरावली से मिलने वाले जल पर टिकी हैं। पशुपालन, जो राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, चरागाहों और जल स्रोतों पर निर्भर करता है। अरावली क्षेत्र में पाई जाने वाली घासें और वनस्पतियाँ लाखों पशुओं के लिए चारे का स्रोत हैं। पहाड़ों के नष्ट होने से न केवल खेती प्रभावित होगी, बल्कि दूध उत्पादन और पशुधन आधारित आय भी गिरावट का शिकार होगी। जलवायु परिवर्तन के दौर में अरावली की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। वैज्ञानिक अध्ययनों में यह सामने आया है कि अरावली क्षेत्र का हरित आवरण तापमान को नियंत्रित करने में मदद करता है। दिल्ली और एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण और हीट वेव के बीच अरावली को "ग्रीन लंग्स" यानी हरे फेफड़ों के रूप में देखा जाता है। पेड़-पौधे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और स्थानीय तापमान को 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक कम रखने में सहायक होते हैं। खनन से उड़ने वाली धूल और हरित आवरण के नष्ट होने से वायु गुणवत्ता और भी खराब होती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह माना है कि अरावली क्षेत्र में अवैध खनन तेजी से हो रहा है और इसका सीधा असर पर्यावरण पर पड़ रहा है। कोर्ट द्वारा नए खनन पर रोक लगाना एक सकारात्मक कदम है, लेकिन साथ ही यह चिंता भी बनी हुई है कि 100 मीटर से कम ऊँचाई वाली पहाड़ियों को अरावली से बाहर रखने का निर्णय भविष्य में किस तरह के परिणाम लाएगा। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि ऊँचाई से अधिक महत्वपूर्ण पारिस्थितिक भूमिका होती है। छोटी पहाड़ियाँ भी जल संरक्षण, जैव विविधता और स्थानीय जलवायु में अहम योगदान देती हैं। अरावली क्षेत्र जैव विविधता का भी एक समृद्ध केंद्र है। यहाँ तेंदुआ, सियार, नीलगाय, लोमड़ी और अनेक पक्षी प्रजातियाँ पाई जाती हैं। वनस्पतियों में ढोक, खेजड़ी, सालर और बबूल जैसी प्रजातियाँ मिट्टी को बांधने और मरुस्थलीकरण रोकने में सहायक हैं। खनन से न केवल पहाड़ कटते हैं, बल्कि यह पूरा पारिस्थितिक तंत्र टूट जाता है। मिट्टी का कटाव बढ़ता है और रेगिस्तान का फैलाव तेज होता है। इतिहास गवाह है कि अरावली ने राजस्थान को पूरी तरह मरुस्थल बनने से रोके रखा है। थार मरुस्थल की सीमा अरावली पर आकर रुक जाती है। वैज्ञानिकों का आकलन है कि यदि अरावली का क्षरण इसी गति से होता रहा, तो मरुस्थल पूर्व की ओर तेजी से फैल सकता है। इसका प्रभाव केवल राजस्थान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक दिखाई देगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि अरावली को केवल खनिज संसाधन के रूप में नहीं, बल्कि जीवन रेखा के रूप में देखा जाए। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप एक चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं संभले, तो आने वाली पीढ़ियाँ पानी, खेती और स्वच्छ हवा के लिए तरसेंगी। वैज्ञानिक तथ्यों, पर्यावरणीय संतुलन और किसानों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए नीतियाँ बनानी होंगी।

जीवन मंत्र

# भागदौड़ भरी ज़िंदगी में आराम भी है उतना ही ज़रूरी

दूसरी किसी भी चीज को गंवा देने पर उसे फिर से पाने का कोई अवसर मिल सकता है, लेकिन खोए हुए पलों को पुनः प्राप्त करना बड़े से बड़े आदमी के लिए भी संभव नहीं है।

शंकरन पिल्लै के मित्र एक बड़ी कंपनी के अध्यक्ष थे। एक बार उन्होंने बताया, 'अपनी कंपनी में काम करने वाले हरेक कर्मचारी को हम तीन महीने में एक बार दो हफ्ते की अनिवार्य छुट्टी देकर आराम करने भेज देते हैं।' यह सुनकर शंकरन चकित रह गए। उन्होंने पूछा, 'अपने कर्मचारियों की इतनी परवाह?' मित्र ने कहा, 'ऐसी कोई बात नहीं है। बस यह देखने के लिए कि किस-किस के न होनेके बावजूद कंपनी बिना किसी समस्या के चलती है?' आप भी इसी तरह किस काम को छोड़ने या टालने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा, इसका पता लगाइए और उसे छोड़ दीजिए। कई लोगों की आंखों के सामने वक्त खिसकता रहता है। दूसरी किसी भी चीज को गंवा देने पर उसे फिर से पाने का कोई अवसर मिल सकता है, लेकिन खोए हुए पलों को पुनः प्राप्त करना बड़े से बड़े आदमी के लिए भी संभव नहीं है। चबाने के लिए जबड़ों को खूब हिला सकते हैं। मगर ज्यादा चीजों को मुंह में भर लेंगे, तो सांस बंद हो जाएगी। अंतराल के बिना काम करना भी गलत है। शरीर और मन को जब-तब आराम देने पर ही पूरी क्षमता प्रकट होगी। दूसरी बात यह है कि कुढ़ते हुए काम करने का विचार छोड़कर अपने कार्यों को उत्सव के रूप में करके देखिए। थकान नहीं होगी। खामियां नहीं आएंगी। क्या किसी सुबह चिड़ियों की चहचहाहट सुनकर आपने उत्साह पाया है? कितने दिन नहाते समय शरीर के एक-एक बिंदु को गीला करते हुए पानी के नीचे उतरने को चाव से महसूस किया है? क्या ध्यान को भटकने न देकर आनंद का अनुभव करते हुए गाड़ी चलाई है? खूब स्वादिष्ट भोजन सामने होने पर भी केवल पहले कौर को ही आप स्वाद लेकर खाते हैं। उसके बाद के कौर को आपका हाथ यांत्रिक गति से ले जाकर मुंह में डालेगा। मुंह अपनी आदत के मुताबिक चबाकर उसे रसदार बनाकर अंदर धकेल देगा। मुंह में डाला हुआ खाना कैसे चबाए जाने के बाद आहार नली से उतरकर पेट में जाता है, इस पर क्या आपने एक बार भी पूर्ण रूप से गौर किया है? आनंदपूर्वक रहना है, इस इच्छा को भूलकर काम में फंस जाने की वजह से आप यही जवाब देंगे, 'अरे इन सब कामों में कोई अपना वक्त क्यों जाया करेगा?' बताइए, क्या आप इस संसार में केवल नाक से सांस लेने और छोड़ने के लिए आए हैं? यह तो प्राणों को शरीर के अंदर टिकाए रखने भर के लिए काम आएगा।

जीवन ऊर्जा

फ्रांसिस स्कॉट फिट्जगेराल्ड : निधन 21 दिसंबर, 1940 देहावसान

# कभी भी एक हार को अंतिम हार से भ्रमित न करें

फ्रांसिस स्कॉट फिट्जगेराल्ड एक अमेरिकी उपन्यासकार, निबंधकार और लघु कथाकार थे। उनका जन्म 24 सितंबर, 1896 में हुआ था। वे अपने उपन्यासों के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते हैं, जो जार्ज युग' की तेजतर्रारता और अधिकता का चित्रण करते हैं- एक ऐसा शब्द, जिसे उन्होंने लोकप्रिय बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने चार उपन्यास, चार कहानी संग्रह और 164 लघु कथाएं प्रकाशित कीं।

आप जो भी बनना चाहते हैं, उसके लिए कभी देर नहीं होती। मैं आशा करता हूं कि आप एक ऐसा जीवन जिएं, जिस पर आपको गर्व हो और यदि आप पाते हैं कि आप नहीं हैं, तो मैं आशा करता हूं कि आप में फिर से शुरुआत करने की ताकत है। दयालु होना सही होने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। कई बार लोगों को बोलने वाले तेज दिमाग की नहीं, बल्कि सुनने वाले खास दिल की जरूरत होती है। दुनिया केवल आपकी आंखों में मौजूद है। आप इसे जितना चाहें उतना बड़ा या छोटा बना सकते हैं। मुझे आशा है कि आप इसे सर्वश्रेष्ठ बनाएंगे और मुझे आशा है कि आप ऐसी चीजें देखेंगे जो आपको चौंका

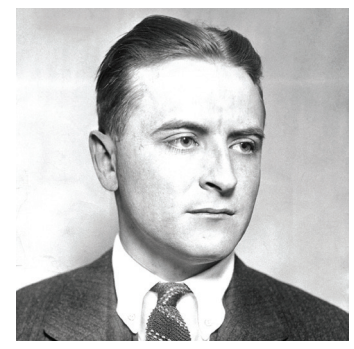

देंगी। मुझे आशा है कि आप उन चीजों को महसूस करेंगे, जिन्हें आपने पहले कभी महसूस नहीं किया। मुझे आशा है कि आप एक अलग दृष्टिकोण वाले लोगों से मिलेंगे और अंत में, हम सब सिर्फ इंसान हैं। इस विचार के नशे में हैं कि प्यार, केवल प्यार ही हमारे टूटेपन को ठीक कर सकता है। कभी भी एक हार को अंतिम हार से भ्रमित न करें। बुद्धिमत्ता को किसी व्यक्ति द्वारा विरोधाभासी तर्कों के दोनों पक्षों के भीतर वैधता देखने की क्षमता से मापा जाता है। मां कहती है कि कभी-कभी दो आत्माएं एक साथ पैदा होती हैं और जन्म से पहले ही वे प्रेम में होती हैं। इससे पहले कि आप दूसरों की आलोचना करें, याद रखें, उन्हें जीवन में उतने अवसर नहीं मिले होंगे जितने आपको मिले हैं। यह मत भूलो कि तुम कौन हो और कहां से आए हो। जीवन शक्ति न केवल बने रहने की क्षमता में, बल्कि शुरू करने की क्षमता में भी दिखाई देती है।

शख्सियत

अमीन सयानी

# बेहद लोकप्रिय पूर्व रेडियो अनाउंसर

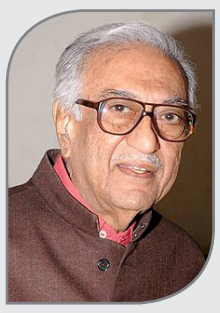

अमीन सयानी भारत के एक लोकप्रिय पूर्व रेडियो अनाउंसर हैं। उन्होंने पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में प्रसिद्धि और लोकप्रियता हासिल की। जब उन्होंने रेडियो सीलोन के प्रसारण पर अपने बिनाका गीतमाला कार्यक्रम को प्रस्तुत किया। पारंपरिक 'भाइयों और बहनों' के विपरीत भीड़ को 'बहनों और भाइयों' (जिसका अर्थ है 'बहनों और भाइयों') के साथ संबोधित करने की उनकी शैली को अभी भी एक मधुर स्पर्श के साथ एक घोषणा के रूप में माना जाता है।

उन्होंने 1951 से अब तक 54,000 से अधिक रेडियो कार्यक्रमों और 19,000 स्पॉट/जिंगल्स का निर्माण, संचालन किया है। अमीन सयानी का जन्म 21 दिसंबर, 1932 को मुंबई में हुआ था। महज 13 साल की उम्र में, उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से आकाशवाणी बॉम्बे के लिए एक प्रसारक के रूप में काम किया और अंग्रेजी में बच्चों के लिए प्रसारण कार्यक्रमों में भाग लिया। वह ऐसे परिवार से आते हैं जो बहुभाषी हैं। उनकी स्कूली शिक्षा पूरी तरह से अंग्रेजी और गुजराती में मुंबई के न्यू एरा स्कूल में हुई। बाद में 1954 में वे ग्वालियर चले आये और सिंधिया स्कूल में पढ़ाई की। आजादी के बाद वह मुंबई लौट आए और तब तक उन्होंने कई कार्यक्रमों में अंग्रेजी ब्रॉडकास्टर के रूप में काम किया था। लेकिन उस दौरान वह ऑल इंडिया रेडियो के हिंदी सेक्शन में जाना चाहते थे। ऑडिशन के बाद, उन्हें अस्वीकार कर दिया गया, क्योंकि उनके उच्चारण में अंग्रेजी और गुजराती की झलक थी। लेकिन वह उस प्रकार का व्यक्ति नहीं थे जो इतनी आसानी से हार मान लें। उन्होंने अपनी राह संभाली और ऑल इंडिया रेडियो में सबसे पसंदीदा अनाउंसर बन गए। सयानी वर्षों तक भूत बंगला, टीन डेवियन, बॉक्सर और क़त्ल जैसी विभिन्न फिल्मों का भी हिस्सा रहीं। इन सभी फिल्मों में वह किसी न किसी कार्यक्रम में उद्घोषक की भूमिका में नजर आये।

सयानी ने महात्मा गांधी के निर्देशों के तहत नव-साक्षरों के लिए एक पाक्षिक पत्रिका के संपादन, प्रकाशन और मुद्रण में अपनी मां कुलसुम सयानी की सहायता की। पाक्षिक, रहबर (1940 से 1960), देवनागरी (हिंदी), उर्दू और गुजराती लिपियों में एक साथ प्रकाशित हुआ था, लेकिन सभी गांधी द्वारा प्रचारित सरल 'हिंदुस्तानी' भाषा में। यह सरल संचार का आधार था जिसने उन्हें व्यावसायिक प्रसारण के अपने लंबे करियर में मदद की और 2007 में नई दिल्ली के प्रतिष्ठित हिंदी भवन द्वारा उन्हें 'हिंदी रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। 2009 में, उन्हें पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

# पंचमहाभूतों के प्रति श्रद्धा ही जीवन की सच्ची साधना

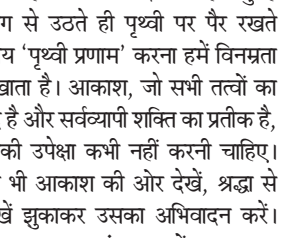

आज सुबह जब मैं बाथरूम में नहाने गया, तो अनजाने में बीच में रखी पानी से भरी बाल्टी को पैर से एक तरफ सरका दिया। जैसे ही मेरी नज़र बाल्टी में भरे पानी पर पड़ी, उसी क्षण मुझे अपनी भूल का गहरा अहसास हुआ। पानी केवल एक साधारण पदार्थ नहीं है, बल्कि यह चंद्र ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है और पंचमहाभूतों में 'जल तत्व' के रूप में इस सृष्टि के जीवन का आधार है। जल के बिना जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। ऐसे पवित्र और पूजनीय तत्व को पैर लगाना मेरे लिए आत्मग्लानि का कारण बन गया। उसी क्षण मैंने मन ही मन उस जल से क्षमा माँगी और यह संकल्प लिया कि भविष्य में कभी भी ऐसी भूल नहीं करूँगा। वास्तव में, जल, वायु, अग्नि, पृथ्वी और आकाश—इन पंचमहाभूतों से मिलकर ही इस संपूर्ण सृष्टि की रचना हुई है। यही पाँच तत्व हमारे जीवन का आधार हैं और इन्हीं के संतुलन से संसार में व्यवस्था बनी रहती है। इनसे बड़ी शक्ति इस ब्रह्मांड में कोई नहीं है। वास्तु शास्त्र का भी प्रमुख उद्देश्य यही है कि भवन और जीवन में इन पंचतत्वों का उचित स्थान और संतुलन बना रहे, ताकि सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह निरंतर बना रहे। यदि कोई व्यक्ति इन प्राकृतिक शक्तियों का सच्चे मन से सम्मान करता है और इनके प्रति श्रद्धा भाव रखता है, तो यकीन मानिए उसके घर और जीवन के अनेक वास्तु दोष स्वतः ही दूर हो जाते हैं। जब भी हम जल का पान करें या किसी भी रूप में उसका उपयोग करें, तो उसे जल देवता मानकर आदर भाव रखना चाहिए। यह छोटा सा भाव हमारे भीतर कृतज्ञता जगाता है। वायु, जो इस जगत का प्राण है, उसे दूषित होने से बचाना हमारा कर्तव्य है। हवन, यज्ञ और मंत्रोच्चारण के माध्यम से वातावरण को शुद्ध रखने का प्रयास करना भी हमारी सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है। अग्नि वह तत्व है जिसकी ऊर्जा से सृष्टि को गति और प्रकाश मिलता है। जब भी कहीं प्रज्वलित अग्नि को देखें, तो उसे श्रद्धा भाव से नमन करना चाहिए। प्रतिदिन प्रातः सूर्य के दर्शन कर उसे प्रणाम करना हमें जीवन ऊर्जा के प्रति कृतज्ञ बनाता है। पृथ्वी, जिसने हमें यह शरीर दिया, भोजन दिया और रहने का स्थान प्रदान किया—उसका ऋण हम कभी चुका नहीं सकते। इसलिए पृथ्वी को स्वच्छ और हरा-भरा रखना हमारा नैतिक दायित्व है। सुबह पलंग से उठते ही पृथ्वी पर पैर रखते समय 'पृथ्वी प्रणाम' करना हमें विनम्रता सिखाता है। आकाश, जो सभी तत्वों का केंद्र है और सर्वव्यापी शक्ति का प्रतीक है, उसकी उपेक्षा कभी नहीं करनी चाहिए। जब भी आकाश की ओर देखें, श्रद्धा से आँखें झुकाकर उसका अभिवादन करें। जो मनुष्य इन पंचमहाभूतों का आदर करता है और उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखता है, उसके जीवन में प्रकृति स्वयं सहायक बन जाती है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

कांग्रेस 6-7 दशकों तक गलतियां करती रही, मोदी एक-एक करके उन गलतियों को सुधार रहा है। मेरे लिए असम का विकास जरूरत भी है, जिम्मेदारी भी है और इसकी जवाबदेही भी है। इसलिए बीते 11 वर्षों में असम, पूर्वोत्तर के लिए लाखों-करोड़ो की परियोजनाएं शुरू हुई हैं।

-नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत

बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ की ओर से बर्बरतापूर्ण हत्या का समाचार अत्यंत चिंताजनक है। किसी भी सभ्य समाज में धर्म, जाति, पहचान आदि के आधार पर भेदभाव, हिंसा और हत्या मानवता के खिलाफ अपराध है।

-प्रियंका गांधी
सांसद, कांग्रेस

मुझे उम्मीद है कि हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे और मैं बांग्लादेश के लोगों और सरकार से अपने पड़ोसी के साथ इस करीबी रिश्ते को ज़्यादा अहमियत देने का आग्रह करूंगा। जैसा कि वाजपेयी साहब ने पाकिस्तान के बारे में मशहूर तौर पर कहा था, हम अपना भूगोल नहीं बदल सकते।

-शशि थरूर
नेता, कांग्रेस

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जो बर्ताव हो रहा है, उनको सड़कों पर खुलेआम पीट-पीटकर मारा जा रहा है। आज कांग्रेस के लोग उस पर सवाल उठा रहे हैं। यह कैसी विडंबना है। ये वही लोग हैं जो CAA, NRC का विरोध कर रहे थे। ये वही प्रियंका गांधी हैं।

-गौरव वल्लभ
नेता, भाजपा

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

## ब्रीफ न्यूज़

### संजय राउत ने राज ठाकरे से मुलाकात की

मुंबई! शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने शनिवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे से मुलाकात की। दोनों दल मुंबई में 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनावों के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा कर रहे हैं। पिछले तीन दिनों में राउत, दादर स्थित राज ठाकरे के आवास 'शिवतीर्थ' पर दूसरी बार पहुंचे हैं। महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होने वाले हैं। शुक्रवार को मनसे नेता नितिन सरदेसाई ने कहा था कि चचेरे भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की बातचीत अंतिम चरण में है, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि गठबंधन की आधिकारिक घोषणा कब होगी। शिवसेना (उबाठा) के नेता अनिल परब ने शुक्रवार को राज ठाकरे से मुलाकात की थी।

### 54 मानद डॉक्टरेट का वैश्विक रिकॉर्ड बनाने के लिए डॉ. रघुनाथ माशेलकर हुए सम्मानित

मुंबई! मानवता के लिए एकजुटता, समावेश और नवाचार को समर्पित 'अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस' के उपलक्ष्य में 20 दिसंबर को मुंबई में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में, भारत और विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों द्वारा 54 मानद डॉक्टरेट प्राप्त कर चुके डॉ. रघुनाथ माशेलकर को उनकी इस अनूठी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। कोलाबा के ताज महल पैलेस में आयोजित 'इंस्पायरिंग इंडिया' कार्यक्रम में भारतीय उद्योग जगत की कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद थीं। यह कार्यक्रम पद्म विभूषण डॉ. माशेलकर की राष्ट्रीय उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था, जिन्होंने भारत के दिवंगत राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा प्राप्त 48 मानद डॉक्टरेट की उपाधियों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। महाराष्ट्र सरकार में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा एवं संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल समारोह के मुख्य अतिथि थे। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी और पद्म विभूषण से सम्मानित प्रोफेसर एम.एम. शर्मा, जो मुंबई के रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान में रसायन अभियांत्रिकी के मानद प्रोफेसर हैं, विशिष्ट अतिथि थे।

# अंतर-मंडल सांस्कृतिक प्रतियोगिता-2025 के विजेताओं को दिया गया पुरस्कार

▶▶ मुंबई मंडल की सांस्कृतिक टीम ने सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के लिए "सरताज" पुरस्कार जीता

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल के महाप्रबंधक एवं मध्य रेल सांस्कृतिक अकादमी (सीआरसीए) के संरक्षक विवेक कुमार गुप्ता ने 19 दिसंबर 2025 को सीएसएमटी स्थित मध्य रेल सभागार में अंतर-मंडल सांस्कृतिक प्रतियोगिता-2025 के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर रेलवे कर्मचारियों और उनके परिजनों की कलात्मक प्रतिभा को सम्मानित किया गया।




### तीन दिवसीय कार्यक्रम में दिखी रेलकर्मियों की कला

सीआरसीए द्वारा 17 से 19 दिसंबर 2025 तक आयोजित इस तीन दिवसीय आयोजन में मध्य रेल के विभिन्न मंडलों और कारखानों से आए कर्मचारियों तथा उनके बच्चों ने संगीत, नृत्य, नाटक और अन्य विधाओं में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। पुरस्कार वितरण समापन दिवस पर किया गया।

### मुंबई मंडल को 'सरताज' पुरस्कार

मुंबई मंडल की सांस्कृतिक टीम ने 49 अंक अर्जित करते हुए विभिन्न श्रेणियों में कुल 9 पुरस्कार जीतकर सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित "सरताज" पुरस्कार अपने नाम किया। मुख्यालय की टीम ने भी 9 पुरस्कार जीते, जबकि परेल वर्कशॉप और माटुंगा वर्कशॉप की टीमों ने 3-3 पुरस्कार हासिल किए।मुंबई मंडल के कलाकारों ने शास्त्रीय एकल नृत्य और समूह नृत्य में प्रथम पुरस्कार जीतकर विशेष पहचान बनाई। इसके अलावा संगीत, नाटक और बैक-स्टेज योगदान के लिए भी मुंबई मंडल के कलाकारों को कई पुरस्कारों से नवाजा गया।

### नाटक और संगीत में मुख्यालय की शानदार सफलता

मुख्यालय की टीम ने सर्वश्रेष्ठ नाटक "विसर्जन" के लिए प्रथम पुरस्कार जीता, जबकि मुंबई मंडल को मराठी नाटक "नाना नव्यानाव बाद" और हिंदी नाटक "आधे अधूरे" के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुए। संगीत प्रतियोगिताओं में भी मुख्यालय की टीम ने शास्त्रीय गायन, वाद्य और लाइट म्यूजिक श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। प्रतियोगिता में मध्य रेल के विभिन्न मंडलों और कारखानों से लगभग 250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन 17 दिसंबर को अपर महाप्रबंधक प्रतीक गोस्वामी ने किया था।

# उल्हासनगर मनपा चुनाव को लेकर सर्वदलीय बैठक

▶▶ चुनाव की तैयारियों की समीक्षा

**उल्हासनगर।** उल्हासनगर महानगरपालिका आम चुनाव 2025–26 को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025 को मनपा मुख्यालय में विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों और नेताओं की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता चुनाव अधिकारी एवं आयुक्त मनीषा अव्हाले (बी.पी.एस.) ने की, जिसमें चुनाव से जुड़ी प्रशासनिक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में आयुक्त ने अधिसूचित चुनाव कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि नामांकन पत्र दाखिल करने की अवधि 23 से 29 दिसंबर 2025 तक रहेगी, जबकि नामांकन स्वीकार करने की प्रक्रिया 23 से 30 दिसंबर तक चलेगी। नामांकन पत्रों की जांच 31 दिसंबर 2025 को की जाएगी और वैध उम्मीदवारों की सूची उसी दिन जारी की जाएगी। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 2 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है, वहीं चुनाव चिन्हों का आवंटन और अंतिम उम्मीदवार सूची 3 जनवरी 2026 को प्रकाशित होगी। मतगणना और परिणामों की घोषणा 16 जनवरी 2026 को होगी, जबकि आधिकारिक परिणाम 19 जनवरी 2026 तक महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रकाशित किए जाएंगे।

### आदर्श आचार संहिता पर सख्ती

आयुक्त मनीषा अव्हाले ने सभी राजनीतिक दलों से आदर्श आचार संहिता और राज्य चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने की अपील की। उन्होंने प्रचार सभाओं के लिए पूर्व अनुमति, सांप्रदायिक व धार्मिक भावनाओं को भड़काने से परहेज, सशुल्क समाचार से दूरी और सुरक्षित एवं लोकतांत्रिक तरीके से प्रचार अभियान चलाने पर विशेष जोर दिया।बैठक के दौरान संभागीय आयुक्त द्वारा जारी परिशिष्ट-1 के तहत 'क्या करें और क्या न करें' संबंधी संशोधित पुस्तिका राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को वितरित की गई।

### प्रश्नोत्तर और अधिकारियों की मौजूदगी

बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का आयुक्त ने समाधान किया और सोशल मीडिया पर भी आदर्श आचार संहिता के पालन की अपील की। बैठक में चुनाव अधिकारी एवं आयुक्त मनीषा अव्हाले सहित कई वरिष्ठ अधिकारी— बालासाहेब टिडके, गणेश सांगले, विजयकुमार वाकोडे, संजय शिंदे आदि उपस्थित रहे।

# कैंसर की जांच के लिए मोबाइल डायगोस्टिक वैन

**ठाणे।** जिले में कैंसर का जल्दी पता लगाने और लोगों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गई कैंसर डायग्नोस्टिक वैन पहल जिले में सफल साबित हो रही है। यह वैन 3 नवंबर से 29 नवंबर 2025 तक तय तहसीलों में लोगों की सेवा में रही। जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे के मार्गदर्शन में यह पहल पूरे जिले में लागू की जा रही है। वैन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी इलाकों में आम लोगों को मुफ्त और आसान स्क्रीनिंग उपलब्ध कराना है। कैंसर डायग्नोस्टिक वैन के जरिए मुख्य रूप से ओरल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की जांच की जा रही है। सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार और जिला हेल्थ ऑफिसर डॉ. गंगाधर पारगे ने बताया कि वैन में मॉडर्न इक्विपमेंट लगे हैं!

### लोगों की भागीदारी और परिणाम

वैन अभी कल्याण, भिवंडी, अंबरनाथ, मुरबाड़ और शाहपुर तहसीलों में घूम रही है। लोकल प्राइमरी हेल्थ सेंटर, सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल, मेडिकल ऑफिसर, आशा वर्कर और हेल्थ वर्कर के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 3 नवंबर से अब तक 2,975 लोगों की स्क्रीनिंग की गई है, जिनमें 28 संदिग्ध मामले पाए गए हैं।

# राष्ट्रीय अल्पसंख्यक दिवस पर संवाद का मंच

**मुंबई।** मुंबई में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक दिवस के अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "संवाद – राष्ट्रीय अल्पसंख्यक दिवस सम्मेलन" में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदायों के नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा और विचारक शामिल हुए। सम्मेलन का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों के भीतर आपसी एकजुटता को मजबूत करना, संवैधानिक मूल्यों को पुनः रेखांकित करना और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद को सशक्त बनाना रहा। सम्मेलन में सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक, शोधकर्ता और जागरूक नागरिक एक मंच पर एकत्र हुए। वक्ताओं ने अतीत के अनुभवों से सीख लेने, वर्तमान सामाजिक चुनौतियों को समझने और एक समावेशी व न्यायपूर्ण भविष्य की दिशा तय करने पर विचार-विमर्श किया। यह सम्मेलन भारत की विविधता, बहुलतावाद और लोकतांत्रिक परंपराओं के उत्सव के रूप में उभरकर सामने आया।

### एकजुटता और आत्ममंथन पर जोर

वरिष्ठ लेखक भंवर मेघवंशी ने कहा कि समाज को दिखावटी एकरूपता नहीं, बल्कि वास्तविक और मजबूत एकजुटता की आवश्यकता है। उन्होंने शोषित और वंचित समुदायों के बीच एकता को सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला बताया। नारीवादी और क्विअर कार्यकर्ता चयनिका शाह ने सामाजिक आंदोलनों में विविधता को स्वीकार करने और विचारों को व्यवहार में उतारने की जरूरत पर बल दिया। वहीं मुस्लिम सत्यशोधक मंडल के शमसुद्दीन तांबोली ने कहा कि हर समुदाय को अपनी आंतरिक कमजोरियों और शोषणकारी परंपराओं पर आत्ममंथन करना चाहिए।

### लैंगिक अधिकार और युवा चेतना

बेबाक कलेक्टिव की हसीना खान ने मुस्लिम समाज में शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ-साथ लैंगिक अधिकारों पर खुली चर्चा की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि मुस्लिम महिलाओं की आवाज़ को सम्मान और मंच मिलना चाहिए। युवा कार्यकर्ता आमिर काज़ी ने मुस्लिम युवाओं से उच्च शिक्षा हासिल करने और अपने अधिकारों के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया, साथ ही अशफाक़ उल्ला ख़ान और हमीद दलवाई जैसे प्रेरणास्रोतों का उल्लेख किया।

# भुसावल मंडल में रेलवे विकास कार्यों की समीक्षा

**भुसावल।** 20 दिसंबर को माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (युवा कार्य एवं खेल) रक्षा निखिल खडसे ने भुसावल मंडल रेल कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य रावेर लोकसभा क्षेत्र से जुड़े रेलवे विकास एवं आधारभूत संरचना से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना रहा।

बैठक की शुरुआत मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल द्वारा मंडल में संचालित एवं पूर्ण हो चुकी विभिन्न परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने से हुई। उन्होंने रेलवे उन्नयन कार्यों, अधोसंरचना विकास और यात्री सुविधाओं में हुई प्रगति से माननीय मंत्री को अवगत कराया तथा बताया कि कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ सफलतापूर्वक पूर्ण की जा चुकी हैं।

### रावेर क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा व निर्देश

इसके पश्चात रक्षा खडसे ने रावेर संसदीय क्षेत्र से जुड़े प्रमुख विषयों पर चर्चा की, जिनमें इंजीनियरिंग कार्य, पिंपलगांव गेट नंबर 5, अजांदा–रावेर एलएचएस, भुसावल–बडनेरा तीसरी लाइन, भुसावल–खंडवा तीसरी व चौथी लाइन, बोडवड आरओबी, नांदुरा गेट नंबर 19 व 20, गेट नंबर 3 से संबंधित भूमि अधिग्रहण तथा भुसावल–पुणे और भुसावल–मुंबई नई एक्सप्रेस ट्रेनों की मांग शामिल रही। माननीय मंत्री ने सभी विकास कार्यों को शीघ्र एवं समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) सुनील कुमार सुमन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) एम. के. मीणा सहित संबंधित शाखा अधिकारी उपस्थित रहे।

# स्कूलों के नामों में 'ग्लोबल', 'इंटरनेशनल', 'सीबीएसई' शब्द लगाने पर कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राज्य शिक्षा बोर्ड के स्कूल अब अपने नामों में 'ग्लोबल', 'इंटरनेशनल', 'CBSE' या 'अंग्रेजी माध्यम' जैसे शब्दों का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। शिक्षा निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि ये शब्द अभिभावकों और छात्रों को भ्रमित कर सकते हैं, क्योंकि इससे यह आभास होता है कि स्कूल किसी केंद्रीय या अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड से संबद्ध है, जबकि कई स्कूलों की ऐसी कोई आधिकारिक संबद्धता नहीं है। निदेशालय ने कहा है कि नाम में इन शब्दों का प्रयोग केवल तब ही वैध होगा जब स्कूल की वास्तविक विदेशी शाखा या अंतर्राष्ट्रीय संबद्धता हो, और निर्देश दिया है कि ऐसे नियमों का पालन न करने वाले स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# प्रदूषण के खिलाफ मानव श्रृंखला बनाकर दिया संदेश

**नवी मुंबई।** नवी मुंबई में वायु प्रदूषण और पर्यावरण संरक्षण को महानगरपालिका चुनाव का केंद्रीय मुद्दा बनाने के उद्देश्य से जनरेशन ज़ेड के युवाओं ने वाशी के मिनी सी-शोर पर मानव श्रृंखला बनाकर सशक्त संदेश दिया। युवाओं ने साफ कहा कि स्वच्छ हवा कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। इसी उद्देश्य से मौके पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, ताकि प्रशासन और उम्मीदवारों तक यह मांग स्पष्ट रूप से पहुंचाई जा है।

### चुनावी माहौल में गायब पर्यावरण का मुद्दा

15 जनवरी को होने वाले महानगरपालिका चुनावों की पृष्ठभूमि में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो चुकी हैं और आने वाले दिनों में प्रचार का शोर और वादों की बाढ़ देखने को मिलेगी। हालांकि, नवी मुंबई में स्वच्छ हवा और प्रदूषण नियंत्रण जैसे अहम मुद्दों पर किसी भी राजनीतिक दल की गंभीरता नजर नहीं आ रही है। ऐसे में यह सवाल खड़ा हो रहा है कि नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़े इस बुनियादी अधिकार की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा। नवी मुंबई में जल, वायु और ध्वनि—तीनों प्रकार का प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है, लेकिन इसके बावजूद जन-जागरूकता सीमित है।

# 12 राशिफल में देखें अपना दिन

**मेष** भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंग। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। लाभ में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

**वृष** लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें।

**मिथुन** कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी।

**कर्क** कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

**सिंह** किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। जोखिम न उठाएं।

**कन्या** कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। शत्रु पस्त होंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

**तुला** विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा।

**वृश्चिक** धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

**धनु** किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी। आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

**मकर** यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

**कुंभ** विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

**मीन** शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

# शनि-बृहस्पति युति का वैदिक ज्योतिषीय विश्लेषण

**1. वैदिक ज्योतिष और सूर्य सिद्धांत का आधार :** वैदिक ज्योतिष में, मिथुन लग्न (ज्योतिषीय राशिः मिथुन, तत्त्वः वायु, स्वामीः बुध) की कुण्डली में दशम भाव कर्म, व्यवसाय, सामाजिक प्रतिष्ठा, और जीवन में यश का प्रतीक है। दशम भाव का स्वामी मीन राशि का बृहस्पति होता है, जो ज्ञान, धर्म, और समृद्धि का कारक है। शनि और बृहस्पति की युति दशम भाव में होने पर यह एक जटिल और गहन संयोजन बनता है, क्योंकि शनि (कर्म, अनुशासन, विलंब) और बृहस्पति (ज्ञान, विस्तार, शुभता) परस्पर विरोधी प्रकृति के ग्रह हैं।

सूर्य सिद्धांत के अनुसार, ग्रहों की स्थिति और गति (खगोलीय गणित) का प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है। सूर्य सिद्धांत में ग्रहों की गति को सौर मंडल के केंद्र में सूर्य के सापेक्ष मापा जाता है, और शनि-बृहस्पति की युति का प्रभाव खगोलीय दृष्टिकोण से उनके राशिगत और नक्षत्रीय स्थिति पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, यदि यह युति मीन राशि (दशम भाव) में हो, तो यह बृहस्पति की स्वराशि में होगी, जिससे बृहस्पति की शक्ति बढ़ेगी, परंतु शनि की मंद गति और संकुचनकारी प्रवृत्ति बृहस्पति के विस्तार को सीमित कर सकती है।

**खगोलीय गणितीय दृष्टिकोणः** सूर्य सिद्धांत के आधार पर, शनि और बृहस्पति की युति का प्रभाव उनके अंशीय अंतर (degrees of conjunction) पर निर्भर करता है। यदि दोनों ग्रह 0-2 के अंतर पर हों, तो युति अत्यंत प्रबल होगी, जिसे ₹युति दोष₹ भी कहा जाता है। यदि अंतर 5-10 हो, तो प्रभाव मिश्रित होगा। सूर्य सिद्धांत में ग्रहों की गति और नक्षत्रीय स्थिति (जैसे, पूर्वभाद्रपद, उत्तरभाद्रपद, या रेवती नक्षत्र में युति) का विश्लेषण आवश्यक है।

प्रियंका जैन
9769994439

**2. ज्योतिषीय प्रभावः** मिथुन लग्न में दशम भाव में शनि-बृहस्पति युति के प्रभाव निम्नलिखित हैंः

कर्म और व्यवसायः शनि का प्रभाव कठिन परिश्रम, दीर्घकालिक लक्ष्य, और अनुशासित कार्यशैली को दर्शाता है। बृहस्पति ज्ञान, नीति, और नेतृत्व प्रदान करता है। इस युति से व्यक्ति शिक्षक, सलाहकार, वकील, प्रशासक, या आध्यात्मिक गुरु जैसे क्षेत्रों में सफलता पा सकता है। उदाहरणः यदि युति रेवती नक्षत्र में हो, जो बुध का नक्षत्र है, तो व्यक्ति व्यापार, लेखन, या संचार क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकता है।

**लाभः** बृहस्पति की शुभता के कारण दीर्घकालिक लाभ संभव है, विशेषकर शिक्षा, धर्म, या सामाजिक कार्यों से। शनि की उपस्थिति से यह लाभ धीरे-धीरे और स्थायी रूप से प्राप्त होता है। यदि युति मीन राशि में हो, तो व्यक्ति को विदेशी स्रोतों से लाभ या सामाजिक यश मिल सकता है।

**हानिः** शनि का प्रभाव कार्य में विलंब, बाधाएँ, और सामाजिक आलोचना ला सकता है। बृहस्पति की अति-आशावादी प्रकृति और शनि की संकुचनकारी प्रवृत्ति के मिश्रण से व्यक्ति निर्णय लेने में भ्रमित हो सकता है। यदि युति अशुभ दृष्टि (जैसे, मंगल या राहु) से प्रभावित हो, तो व्यवसाय में हानि या प्रतिष्ठा को क्षति हो सकती है।

सामाजिक व्यवहारः यह युति व्यक्ति को गंभीर, दार्शनिक, और समाज के प्रति उत्तरदायी बनाती है। व्यक्ति समाज में सुधारवादी या परंपरागत दोनों भूमिकाएँ निभा सकता है। उदाहरणः महात्मा गांधी की कुण्डली में शनि-बृहस्पति का प्रभाव उनके सामाजिक सुधार और अनुशासित जीवन में देखा जा सकता है।

## न्यूज ब्रीफ

### हिजाब विवाद पर मायावती का तंज, कहा- पश्चाताप करें सीएम नीतीश कुमार

**लखनऊ।** बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बिहार में एक मुस्लिम महिला डॉक्टर का हिजाब हटाए जाने के विवाद को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह मामला महिला सम्मान और सुरक्षा से जुड़ा है, जिसे मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से समय रहते सुलझ जाना चाहिए था। बेहतर होगा कि मुख्यमंत्री इस घटना पर पश्चाताप कर प्रकरण को समाप्त करें। मायावती ने बहराइच में पुलिस परेड के दौरान कथावाचक को सलामी दिए जाने के मामले पर भी सवाल उठाए और कहा कि पुलिस परेड की मर्यादा, अनुशासन और परंपराओं से किसी भी तरह का खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। उन्होंने इस मामले में पुलिस महानिदेशक द्वारा संज्ञान लिए जाने को उचित बताया। इसके साथ ही बसपा प्रमुख ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र को जनहित के मुद्दों से भटका हुआ करार दिया। उन्होंने कहा कि किसानों की खाद समस्या सहित अन्य जनकल्याणकारी विषयों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए थी। वहीं, संसद के शीतकालीन सत्र में वायु प्रदूषण जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा न होने को भी उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

### ऑपरेशन कालनेमि : झांसा देकर ठगने वाले सात बाबा गिरफ्तार

**हरिद्वार।** प्रदेश में ढोंग और अंधविश्वास के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन कालनेमि के तहत ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सात ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी तंत्र-मंत्र, जादू-टोना और चमत्कार दिखाने का झांसा देकर लोगों से ठगी कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ऑपरेशन कालनेमि के अंतर्गत लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ज्वालापुर क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सात लोगों को हिरासत में लिया। पूछताछ में सामने आया कि ये सभी स्वयं को साधु-संत बताकर भोले-भाले लोगों को भ्रमित करते थे और उनसे धन ऐंठते थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान पीर मोहम्मद शाह, रमेश गिरी, मनोज, सनी कुमार देव, चंदन सिंह, अशोक कुमार और रतन वीर सिंह के रूप में हुई है। ये आरोपी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों के निवासी बताए गए हैं तथा वर्तमान में हरिद्वार और आसपास के क्षेत्रों में रहकर लोगों को ठग रहे थे।

### तालाब में गिरा बिजली का तार, दो की मौत

**फतेहपुर।** उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में तालाब में मछली पकड़ रहे दो युवकों की करंट लगने से मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब तालाब के ऊपर से गुजर रही जर्जर हाईटेंशन विद्युत लाइन अचानक टूटकर पानी में गिर गई। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। यह घटना खागा कोतवाली क्षेत्र के मझटेनी गांव की है। जानकारी के अनुसार गांव निवासी ब्रिजलाल (40) पुत्र महावीर और राजू (45) पुत्र इंद्रपाल शनिवार सुबह करीब 11 बजे तालाब में मछली पकड़ रहे थे। इसी दौरान ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन अचानक टूटकर सीधे तालाब में जा गिरी। पानी में करंट फैलते ही दोनों युवक उसकी चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

# घने कोहरे में कंटेनर की टक्कर से चार की मौत

- एक ही मोटरसाइकिल पर सवार थे परिवार के चारों सदस्य
- आगरा-मुरादाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ भीषण हादसा

एजेंसी । संभल

संभल। जनपद संभल में शुक्रवार रात एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। आगरा-मुरादाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर घने कोहरे के बीच तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक सवार एक परिवार को कुचल दिया। इस हादसे में एक किशोर और महिला सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद हाइवे पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। हादसा शुक्रवार रात करीब आठ बजे चंदौसी तहसील के अंतर्गत बहजोई कोतवाली क्षेत्र के गांव खजरा के पास हुआ। बताया गया कि घने कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम थी। इसी दौरान तेज गति से आ रहे कंटेनर ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा शुक्रवार रात करीब आठ बजे चंदौसी तहसील के अंतर्गत बहजोई कोतवाली क्षेत्र के गांव खजरा के पास हुआ। बताया गया कि घने कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम थी। इसी दौरान तेज गति से आ रहे कंटेनर ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान बहजोई थाना क्षेत्र के गांव कमालपुर निवासी सुरेश (35 वर्ष) पुत्र ओमप्रकाश, उनकी पत्नी विमलेश (30 वर्ष), उनके पुत्र प्रतीक (15 वर्ष) और संजय (40 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया गया कि चारों लोग एक ही बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहे थे। एक साथ पूरे परिवार के उजड़ने से गांव कमालपुर में मातम पसरा हुआ है।

### घने कोहरे में तेज रफ्तार के कारण पसरा मातम

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बहजोई कोतवाली प्रभारी संत कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और घना कोहरा हादसे का कारण प्रतीत हो रहा है। कंटेनर चालक की तलाश की जा रही है और मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

इस दर्दनाक हादसे के बाद एक बार फिर कोहरे के मौसम में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से हाइवे पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

# विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले एजेंट छोड़े नहीं जाएंगे: योगी

एजेंसी । गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विदेश भेजने के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऐसे तत्वों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कदम उठाए जाएं और पीड़ितों से ठगी गई पूरी धनराशि भी हर हाल में वापस कराई जाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान दिए। कड़ाके की ठंड के बीच महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगभग 250 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक फरियादी को भरोसा दिलाया कि उनकी शिकायतों का प्रभावी और समयबद्ध समाधान कराया जाएगा तथा किसी को भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। जनता दर्शन के दौरान एक महिला ने अपने परिवार के सदस्य को विदेश भेजने के नाम पर एक एजेंट द्वारा ठगी किए जाने की शिकायत मुख्यमंत्री के समक्ष रखी।

**जनता दर्शन में सीएम ने पीड़ितों की शिकायतें सुनीं, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश**

### गंभीर रोगियों को मिलेगी हर संभव सहायता

भूमि कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर भी मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए विधिसम्मत कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं, जनता दर्शन में इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे लोगों के मामलों में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अस्पताल का इस्टीमेट शीघ्र पूरा कर शासन को भेजने को कहा।

# कोडीन कफ सिरप तस्करों पर होगी सख्त कार्रवाई : सुरेश खन्ना

**कोडीन माफिया से जुड़े फोटो की सच्चाई बताएं सपा अध्यक्ष, न दें गोलमोल जवाब**

एजेंसी । शाहजहांपुर

उत्तर प्रदेश सरकार में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी के मामले में योगी सरकार की कार्रवाई को स्पष्ट और सख्त बताया है। शनिवार को शाहजहांपुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत इस मामले में प्रभावशाली लोगों के खिलाफ भी कठोर कदम उठाए गए हैं और आगे भी जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री सुरेश खन्ना ने इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी को घेरते हुए कहा कि कोडीन माफिया के साथ सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की फोटो सामने आई है। ऐसे में गोलमोल बयान देने के बजाय उन्हें इस फोटो की सच्चाई जनता के सामने रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरा देश जानना चाहता है कि कोडीन माफिया के साथ यह तस्वीर किस संदर्भ में ली गई। खन्ना ने आरोप लगाया कि कफ सिरप के दुरुपयोग से देश के विभिन्न हिस्सों में बच्चों की मौतों की घटनाओं पर समाजवादी पार्टी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की तस्करी हुई, लेकिन विपक्ष ने इस गंभीर विषय पर चुप्पी साधे रखी। मंत्री ने दावा किया कि इस प्रकरण में पकड़े गए कई लोगों के किसी न किसी रूप में समाजवादी पार्टी से संबंध सामने आए हैं।

### 33 जनपदों में कुल 140 एफआईआर

सुरेश खन्ना ने जानकारी दी कि इस मामले की जांच के लिए एफएसडीए और पुलिस के सहयोग से विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) एलआर कुमार की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय समिति मामले की गहन जांच कर रही है। अब तक प्रदेश के 33 जनपदों में 140 फर्मों के खिलाफ बीएनएस और एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

कोडीन मामला

## आरोपियों के घर पर चले बुलडोजर : अखिलेश यादव

एजेंसी । लखनऊ

कोडीन कफ सिरप मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यदि तस्वीरों के आधार पर लोगों को आरोपी ठहराया जा रहा है, तो कोडीन मामले के आरोपितों के साथ जिन-जिन की तस्वीरें हैं, उन सभी पर बुलडोजर चलाया जाना चाहिए। अखिलेश ने आरोप लगाया कि सरकार इस मामले में अहम तथ्यों को छिपा रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश के कई जिलों में दर्ज एफआईआर यह साबित करती हैं कि कफ सिरप का अवैध कारोबार बड़े स्तर पर फैला है। उन्होंने सरकार से मांग की कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ समान रूप से कार्रवाई हो।

# एसओजी प्रभारी ने वनकर्मी पर तानी पिस्टल

**लकड़ी तस्करी का विरोध करने पर प्रभारी ने की मारपीट, धमकाया**

एजेंसी । हल्द्वानी

तराई केंद्रीय वन प्रभाग में लकड़ी तस्करी को लेकर एक बार फिर विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। लकड़ी तस्करी रोकने का प्रयास करने वाले एक प्लांटेशन वाचर ने अपने ही विभाग के एसओजी प्रभारी पर तस्करों को संरक्षण देने, मारपीट करने और पिस्टल तानकर धमकाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। मामला सामने आने के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया है। प्रकरण बाजपुर क्षेत्र के ग्राम महोली जंगल का बताया जा रहा है। पकड़िया चौकी में तैनात प्लांटेशन वाचर ज्ञान सिंह का आरोप है कि ड्यूटी समाप्त कर घर लौटते समय उसने चौकी से कुछ दूरी पर लकड़ी की अवैध तस्करी होते हुए देखी। विरोध करने पर तस्करों ने उसके साथ मारपीट की।

### प्रभारी ने खारिज किया सभी आरोप

वहीं, एसओजी प्रभारी कैलाश चंद्र तिवारी ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि उन्हें सूचना मिली थी कि ज्ञान सिंह नशे की हालत में हंगामा कर रहा है और महिला वनकर्मियों से अभद्र व्यवहार कर रहा है। इसी सूचना पर वह मौके पर पहुंचे थे और स्थिति को नियंत्रित किया गया। मामले पर मुख्य वन संरक्षक (पश्चिमी वृत्त) साकेत बड़ोला ने कहा कि लगाए गए आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जा रही है और जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने वन विभाग के भीतर संभावित मिलीभगत और लकड़ी तस्करों को मिल रहे संरक्षण को लेकर कई अहम सवाल खड़े कर दिए हैं।

ज्ञान सिंह का कहना है कि जब उसने दोबारा तस्करी का विरोध किया तो एसओजी प्रभारी ने उसके साथ मारपीट की और रिवॉल्वर सिर पर रखकर चुप रहने की धमकी दी। साथ ही झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भेजने की बात भी कही गई। वाचर ने मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से की है।

## व्यापार जगत

# कीमतें घटाने के लिए ट्रंप ने नौ कंपनियों से किया समझौता

## अमेरिका में दवाओं की कीमतों में बड़ी कटौती के लिए स्पेशल पैकेज

एजेंसी । नई दिल्ली

वॉशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में दवाओं की ऊंची कीमतों को कम करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए नौ बड़ी दवा कंपनियों के साथ समझौता किया है। इस समझौते के तहत कई प्रमुख दवाओं की कीमतों में तीन सौ से सात सौ प्रतिशत तक की कटौती की जाएगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि दशकों तक अमेरिकी नागरिक दुनिया की सबसे महंगी दवाएं खरीदने के लिए मजबूर थे, लेकिन अब लोगों को "सबसे पसंदीदा देशों वाली कीमत" मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों की तुलना करेगी और यदि आवश्यक हुआ तो टैरिफ का उपयोग कर दवाओं की कीमत कम करने के लिए विदेशी कंपनियों पर दबाव डालेगी। इस पहल का असर वैश्विक दवा बाजार पर भी पड़ सकता है। भारत, जो दुनिया में जेनेरिक दवाओं का बड़ा उत्पादक और अमेरिका को सस्ती दवाओं की आपूर्ति करने वाला मुख्य देश है, इस बदलाव को बारीकी से देख रहा है। खासकर लंबी अवधि तक चलने वाली बीमारियों की दवाओं के क्षेत्र में भारत अमेरिका के प्रमुख सप्लायर के रूप में जाना जाता है।

### इन कंपनियों से किया गया एग्रीमेंट

समझौते में शामिल कंपनियों में Merck, Bristol Myers Squibb, Amgen, Gilead, GSK, Sanofi, Roche's Genentech, Boehringer Ingelheim और Novartis शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस कदम से अमेरिका में दवाओं की कीमतें गिरेंगी और लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल अधिक सुलभ होगी, वहीं कंपनियों के लिए रिसर्च और उत्पादन पर असर पड़ सकता है।

### भारत के दवा निर्यात का वार्षिक आंकड़ा

सन फार्मा, सिप्ला, डा. रेड्डी समेत कुल नौ भारतीय कंपनियां अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का निर्यात करती हैं। अमेरिका में भारतीय जेनेरिक दवा कंपनियों की पकड़ बहुत मजबूत है। मुख्य रूप से लंबी अवधि वाली बीमारी, कार्डियोलॉजी, श्वसन रोग, एंटीबायोटिक और एंटीरेट्रोवायरल दवाओं के क्षेत्र में निर्यात होता है। इन कंपनियों के उत्पाद अमेरिकी FDA द्वारा प्रमाणित होते हैं। भारत से अमेरिका निर्यात होने वाली दवाएं कीमत में किफायती और गुणवत्तापूर्ण मानी जाती हैं।

# विश्व बैंक: पाकिस्तान को 70 करोड़ डॉलर की वित्तीय मदद मंजूर

एजेंसी । इस्लामाबाद

कंगाली से जूझ रहे पाकिस्तान को शनिवार को विश्व बैंक ने 70 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता प्रदान करने की मंजूरी दी है। यह सहायता पाकिस्तान की आर्थिक स्थिरता बनाए रखने और सेवा क्षेत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से दी जाएगी। विश्व बैंक के समावेशी विकास के लिए सार्वजनिक संसाधन (PRIDMPA) कार्यक्रम के तहत यह धनराशि जारी की जाएगी। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार बैंक पाकिस्तान को 1.35 अरब डॉलर तक का वित्तपोषण भी प्रदान कर सकती है, जिसमें से 600 मिलियन डॉलर संघीय कार्यक्रमों और 100 मिलियन डॉलर सिंध प्रांत के लिए खर्च होंगे। यह मदद अगस्त में पंजाब में प्राथमिक शिक्षा सुधार के लिए 47.9 मिलियन डॉलर के अनुदान के बाद दी गई है।

विश्व बैंक के पाकिस्तान कंट्री डायरेक्टर बोलोरमा अमगाबाजार ने कहा कि यह कदम पाकिस्तान के समावेशी और टिकाऊ विकास के लिए अधिक संसाधन जुटाने और उन्हें कुशलतापूर्वक और पारदर्शी रूप से उपयोग करने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से स्कूलों और क्लीनिकों के लिए वित्तपोषण बढ़ाने, निष्पक्ष कर प्रणाली लागू करने और सामाजिक व जलवायु निवेशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर काम किया जाएगा। पाकिस्तान के लिए विश्व बैंक के प्रमुख अर्थशास्त्री तोबियास अख्तर हक ने कहा कि यह वित्तीय मदद देश की राजकोषीय नींव को मजबूत करेगी, मानव पूंजी और जलवायु लचीलापन बढ़ाने में योगदान देगी और संसाधनों को सीधे जनता तक पहुँचाने में मददगार होगी।

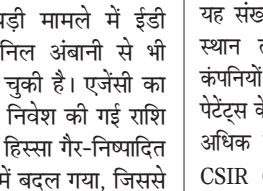


# कर्नाटक के सरकारी स्कूलों में 'विजयपथ' एआई लैब का शुभारंभ

**केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक सरकारी बालिका विद्यालय से किया आगाज**

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कर्नाटक के सरकारी स्कूलों में कृत्रिम मेधा (एआई), एसटीईएम और रोबोटिक्स शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सायंट एआई लैब-'विजयपथ' का शुभारंभ किया। यह पहल होसपेटे तालुका के एक सरकारी बालिका विद्यालय से शुरू की गई। वित्त मंत्रालय ने बताया कि पायलट चरण में पांच उच्च स्तरीय एआई, एसटीईएम और रोबोटिक्स लैब बनाई जा रही हैं। प्रत्येक लैब में हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटर, एआई-रेडी सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स किट, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) उपकरण, सेंसर और सुरक्षित ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी की सुविधा होगी।

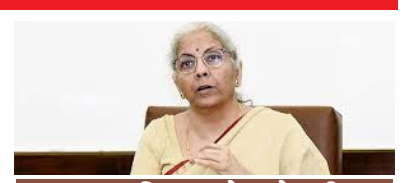

### 200 शिक्षकों को भी मिलेगा प्रशिक्षण

मंत्रालय ने कहा कि यह पहल नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020, डिजिटल इंडिया और प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' मिशन के अनुरूप है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक शिक्षा में तकनीक आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना और छात्रों में प्रारंभिक डिजिटल दक्षता एवं नवाचार क्षमता का विकास करना है।

## केंद्रीय बजट के लिए सरकार ने जनता से मांगे सुझाव

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 की तैयारी के तहत आम जनता से सुझाव आमंत्रित किए हैं। सरकार का उद्देश्य बजट निर्माण प्रक्रिया में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाना और समावेशी व सतत विकास को प्रोत्साहित करना है। सरकार ने MyGovIndia मंच के माध्यम से लोगों से आग्रह किया है कि वे अगले वित्त वर्ष के बजट में प्राथमिकता दिए जाने वाले मुद्दों पर अपने विचार साझा करें। इसके लिए नागरिक MyGovIndia वेबसाइट पर जाकर अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से #UnionBudget @FinMinIndia के साथ भी सुझाव साझा करने का विकल्प दिया गया है। सरकार के अनुसार, आम लोगों के सुझावों से नीतिगत निर्णयों को अधिक प्रभावी बनाने और विकासोन्मुखी बजट तैयार करने में सहायता मिलेगी। यह पहल नीति निर्माण में जनभागीदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

# मनी लॉन्ड्रिंग: अनिल अंबानी के बेटे अनमोल से पूछताछ

**शुक्रवार से की जा रही है पूछताछ, यस बैंक में निवेश से जुड़ा है मामला**

**नई दिल्ली।** बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अंबानी से शनिवार को लगातार दूसरे दिन पूछताछ की। जांच एजेंसी धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत मामले की पड़ताल कर रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 34 वर्षीय अनमोल अंबानी के बयान शुक्रवार को पहली बार दर्ज किए गए थे, जिसके बाद शनिवार को भी उनसे पूछताछ जारी रही। इस मामले पर रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सूत्रों ने बताया कि ईडी की यह जांच यस बैंक से जुड़े निवेश और ऋण लेन-देन से संबंधित है। 31 मार्च 2017 तक येस बैंक का रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह में लगभग 6,000 करोड़ रुपये का निवेश था।

उल्लेखनीय है कि इस कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में ईडी पहले ही अनिल अंबानी से भी पूछताछ कर चुकी है। एजेंसी का आरोप है कि निवेश की गई राशि का एक बड़ा हिस्सा गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों में बदल गया, जिससे येस बैंक को करीब 3,300 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा।

## सरकारी पेटेंट रिपोर्ट में जियो सबसे आगे, 1,037 अंतरराष्ट्रीय पेटेंट फाइल

**मुंबई।** भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन Controller General of Patents, Designs & Trade Marks की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में जियो प्लेटफॉर्म्स को भारत का सबसे बड़ा वैश्विक पेटेंट फाइलर बताया गया है। वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, जियो प्लेटफॉर्म्स ने एक वर्ष में 1,037 अंतरराष्ट्रीय पेटेंट दाखिल किए हैं। यह संख्या रैंकिंग में दूसरे से दसवें स्थान तक मौजूद सभी भारतीय कंपनियों और संस्थानों द्वारा दाखिल पेटेंट्स के कुल जोड़ से दोगुनी से भी अधिक है। TVS मोटर (238), CSIR (70), IIT मद्रास (44) और ओला इलेक्ट्रिक (31) जैसे नाम इस दौड़ में काफी पीछे नजर आते हैं।

## न्यूज़ ब्रीफ

### राजधानी एक्सप्रेस से टकराकर 7 हाथियों की मौत

**नगांव/गुवाहाटी।** असम के होजाई जिले में शनिवार सुबह हाथियों का एक झुंड सैरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया। हादसे में सात हाथियों की मौत हो गई और एक हाथी का बच्चा घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में ट्रेन का इंजन और पांच कोच भी पटरी से उतर गए। यह हादसा सुबह 2:17 बजे चांगजुराई गांव के पास हुआ। शुरुआत में आठ हाथियों के मारे जाने की सूचना थी, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि एक हाथी का बच्चा जिंदा है और गंभीर रूप से घायल है। हादसे में किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है। नगांव के डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर सुहास कदम ने बताया कि इलाके में घना कोहरा होने के कारण यह हादसा होने की आशंका है। मृत हाथियों का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है, जबकि स्थानीय पशु चिकित्सक घायल हाथी का इलाज कर रहे हैं।

### 1 अप्रैल 2026 से रोजगार योजना कर्मश्री का नाम बदलकर महात्माश्री होगा

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल सरकार ने 1 अप्रैल से अपनी 100-दिन की रोजगार योजना कर्मश्री का नाम बदलकर महात्माश्री करने का फैसला किया है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस की मंजूरी के बाद इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया। सरकार का कहना है कि इससे महात्मा गांधी की विरासत बनी रहेगी और योजना को जनकल्याण की भावना से जोड़ा जाएगा। यह फैसला संसद में MGNREGA से जुड़े नए कानून को लेकर विवाद के बीच लिया गया है। विपक्ष और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र पर रोजगार योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में राज्य सरकार ने अपनी योजना का नाम महात्माश्री रखने का फैसला किया।

## स्पोर्ट्स

### मुंबई क्रिकेट क्लब को खिताब

**मुंबई।** आयान पटेल द्वारा खेली गई नाबाद 82 रनों की पारी की बदौलत मुंबई क्रिकेट क्लब ने फाइनल में टीम वर्क क्रिकेट क्लब को 22 रनों से पराजित करके ज्वाला स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित एमसीसी टैलेन्ट सर्च अंडर-14 बॉयज क्रिकेट लीग 2025 के खिताब पर कब्जा कर लिया। ओवल मैदान पर खेले गए मैदान पर पहले बल्लेबाजी का निमंत्रण मिलने पर मुंबई क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 40 ओवरों में नौं विकेट गवांकर 267 रनों का काफी प्रतिस्पर्धात्मक स्कोर खड़ा किया, जिसमें आयान पठान ने 11 चौके और तीन छक्कों के साथ 82 रनों का योगदान दिया। आवेश खान ने 46 रन, अंकुश पासवान ने 35 और शौर्य वीर ने 33 रन बनाते हुए अयान को अच्छा सहयोग दिया। जिसके जवाब में टीम वर्क क्रिकेट क्लब की टीम निर्धारित 40 ओवरों में 245 रनों से आगे नहीं बढ़ पाई। आवेश खान को मैच का सर्वोत्तम खिलाड़ी, अयान पठान को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और वीरा सिगमणि को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज घोषित किया गया।

### इंडियन 2000 गिनीज: ज़कारियास बेहतर

**मुंबई।** मुंबई घुड़दौड़ सत्र की दूसरी क्लासिक दौड़ इंडियन 2000 गिनीज में 10 घोड़े हिस्सा ले रहे हैं। पेसी श्रॉफ द्वारा प्रशिक्षित ज़कारियास इनके बीच बेहतर प्रतीत होता है और विदेशी सवार ओसिन मर्फी की सवारी में उसके जीत की संभावना है। कुल दस दौड़ों का आयोजन किया गया है। पहली दौड़ अपराह्न 12.45 बजे आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार हैः 1- इम्पलसिव (प्र.), मार्लबोरो मेन (द्वि.), 2- सॉलिडरिटी (प्र.), ऑल फोर लव (द्वि.), 3- एनफोर्सर (प्र.), ईस्टर्न मोनार्क (द्वि.), 4- रेड बिशप (प्र.), स्कारामाउच (द्वि.), 5- एडमॉयरेबल (प्र.), जैनेले (द्वि.), 6- एकितानिया (प्र.), हैवेन्स रिदम (द्वि.),7- किंग के (प्र.), प्रिस्टाईन ग्लोरी (द्वि.) 8- ज़कारियास (प्र.), नामिरी (द्वि.) 9- ब्रासिलियर (प्र.), काक्सिनी (द्वि.) 10- बेजालेल (प्र.), एऑन फ्लक्स (द्वि.), दिन का सर्वोत्तमः रेड बिशप।

# बंगाल में जंगलराज : पीएम मोदी

## पीएम मोदी का ममता सरकार पर तीखा प्रहार

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में नादिया में रैली न कर पाने को लेकर खेद प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि नदिया में श्री चैतन्य महाप्रभु की भूमि होने के कारण यह क्षेत्र भारतीय संस्कृति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पीएम मोदी एक्स पर लिखा कि और भी कई मुद्दे हैं, जिन्हें मैं रानाघाट में उठाता, लेकिन मौसम की वजह से मैं रैली में पर्सनली शामिल नहीं हो पाया। पीएम मोदी ने कहा कि हम सभी जो भारतीय संस्कृति की महानता में विश्वास करते हैं, उनके लिए नदिया का एक बहुत ही खास स्थान है। यह भूमि श्री चैतन्य महाप्रभु से जुड़ी है। इस भूमि का दूसरों की सेवा करने का इतिहास रहा है, एक ऐसी भावना जो मेरी मतुआ बहनों और भाइयों में झलकती है। इसलिए, नदिया और पश्चिम बंगाल के विकास के लिए काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

### टीएमसी पश्चिम बंगाल का विकास क्यों रोक रही है: पीएम मोदी

अगर TMC मोदी का विरोध करना चाहती है, तो वह सौ बार ऐसा कर सकती है। अगर TMC बीजेपी का विरोध करना चाहती है, तो वह बार-बार ऐसा कर सकती है। लेकिन TMC पश्चिम बंगाल का विकास क्यों रोक रही है? उनकी राजनीति स्वार्थ से भरी है।

### 'हमारी सरकार चौबीसों घंटे काम कर रही'

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पश्चिम बंगाल के लोगों को सशक्त बनाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। 52 लाख घरों को मंजूरी दी गई है, जो हमारी इस प्रतिबद्धता को दिखाता है कि हर व्यक्ति के सिर पर छत हो। राज्य के एक करोड़ से ज़्यादा परिवारों को जल जीवन मिशन से फायदा हुआ है। एक बार पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनने के बाद, काम और भी तेजी से होगा ताकि लाभार्थियों की संख्या बढ़ सके। पश्चिम बंगाल के लोगों को बेहतरीन क्वालिटी और किफायती स्वास्थ्य सेवा देने के लिए, 13,000 से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं।

### टीएमसी घुसपैठियों को बचाने के लिए पूरी ताकत लगा रही: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोगों ने हाल के वर्षों में बहुत कुछ सहा है। पश्चिम बंगाल की नारी शक्ति की हालत बहुत दुखद है। पश्चिम बंगाल जैसा फुटबॉल प्रेमी राज्य TMC की वजह से शर्मसार हुआ। हाल की घटना ने फुटबॉल पसंद करने वाले कई युवाओं का दिल तोड़ दिया है। TMC उन घुसपैठियों को बचाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रही है, जो बदले में पश्चिम बंगाल के गरीबों को लूटते हैं, आतंक और अराजकता फैलाते हैं और हमारी नारी शक्ति के खिलाफ अत्याचार करते हैं। उन्होंने कहा कि यह मोदी का पश्चिम बंगाल के लोगों से वादा है कि राज्य में BJP सरकार बनने के बाद घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीएम ने कहा कि मैं हर मतुआ और नामाशूद्र परिवार को भरोसा दिलाता हूं कि हम हमेशा उनकी सेवा करेंगे। वे यहां TMC की दया पर नहीं हैं। उन्हें CAA की वजह से भारत में सम्मान के साथ रहने का अधिकार है, जिसे हमारी सरकार लाई है। पश्चिम बंगाल में BJP सरकार बनने के बाद हम मतुआ और नामाशूद्र समुदायों के लिए और भी बहुत कुछ करेंगे।

### स्पीड और स्केल में विश्वास करती है बीजेपी

बिहार के लोगों ने बार-बार दिखाया है कि उन्हें जंगल राज की वापसी में कोई दिलचस्पी नहीं है। अब पश्चिम बंगाल में TMC की वजह से फैले महा जंगल राज से खुद को आजाद करने का भी समय है। बीजेपी स्पीड और स्केल में विश्वास करती है। बीजेपी सुशासन में विश्वास करती है। लेकिन, TMC को सिर्फ कट और कमीशन की चिंता है। आवास, स्वास्थ्य सेवा, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और बहुत कुछ सहित हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएँ TMC के असहयोगी रवैये के कारण आगे नहीं बढ़ रही हैं।

## आय से अधिक संपत्ति का मामला

# केतन पटेल के खिलाफ ईडी ने दायर किया अभियोग

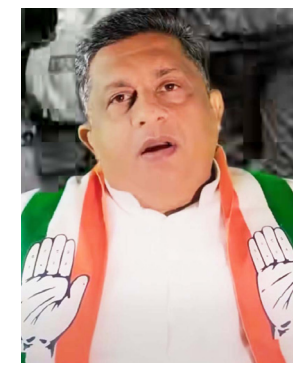

**दमन।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), अहमदाबाद ने दमन और दीव (केंद्र शासित प्रदेश) के तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष केतन पटेल के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति रखने के मामले में दमन स्थित पीएमएलए विशेष अदालत में अभियोग (चार्जशीट) दायर किया है। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार और धनशोधन के आरोपों की विस्तृत जांच के बाद की गई है।

### सीबीआई की एफआईआर से शुरू हुई जांच

ईडी ने यह जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। सीबीआई ने 04 अक्टूबर 2005 से 05 अक्टूबर 2015 की अवधि के दौरान लोक सेवक रहते हुए आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। बाद में सीबीआई ने केतन पटेल के खिलाफ 3.77 करोड़ रुपये की अनुपातहीन संपत्ति को लेकर चार्जशीट दाखिल की थी।

### नकद जमा और फर्जी प्रविष्टियों से खुलासा

ईडी की जांच में सामने आया कि केतन पटेल ने अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार से धन अर्जित किया, जिसके चलते उनके बैंक खातों में बड़ी मात्रा में नकद जमा हुए। जांच में खातों में कई फर्जी प्रविष्टियां भी पाई गईं, जिनका उपयोग होटल में ठहरने, खरीदारी और अन्य निजी खर्चों के लिए किया गया। पूछताछ में इन प्रविष्टियों को 'ऋण' बताने का प्रयास किया गया, लेकिन ऋण की कोई वापसी न होने से ईडी का संदेह और गहरा हुआ। इस मामले में ईडी पहले ही मुंबई स्थित वाणिज्यिक इकाइयों/दुकानों, एक भूखंड और फिक्स्ड डिपॉजिट सहित कुल 3.77 करोड़ रुपये की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर चुकी है।

# चुनाव से पहले पीएम मोदी ने की रणनीतिक बैठक

गुवाहाटी। असम में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है, जिसको लेकर राज्यभर में सियासी गर्माहट तेज हो गई है। राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां भी तेज कर दी है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शनिवार को असम में रैली और जनसभा के माध्यम से चुनावी रण में भाजपा का बिगुल फूंक दिया है। यहां पीएम मोदी ने भाजपा नेताओं से मुलाकात कर राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों और पार्टी की मजबूती पर चर्चा की। यह बैठक भाजपा के राज्य मुख्यालय वाजपेयी भवन, बासिष्ठा में हुई। बता दें कि करीब एक घंटे तक चली इस बैठक में पीएम मोदी ने नेताओं से पूछा कि सरकार की जनता के बीच कैसी छवि है और पार्टी संगठन कैसा काम कर रहा है। वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्य अध्यक्ष नारायण बोरकोटकी ने कहा कि यह कोई औपचारिक बैठक नहीं थी। वह एक सदस्य की तरह हमसे बातचीत कर रहे थे।

### 280 नेता हुए शामिल, प्रधानमंत्री ने पूछा कुशलक्षेम

बैठक में उपस्थित एक अन्य नेता ने बताया कि पीएम मोदी ने मंच पर नहीं बैठकर सभी नेताओं के बीच बैठकर बातचीत की। उन्होंने खास तौर पर वरिष्ठ नेताओं की कुशल-क्षेम पूछी और चुनाव की तैयारियों पर ध्यान दिया। प्रधानमंत्री मोदी शाम को सारुसजई से 3.8 किलोमीटर लंबा रोड शो करने के बाद वाजपेयी भवन पहुंचे। वहीं राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने बताया कि यह पहली बार है जब कोई प्रधानमंत्री राज्य मुख्यालय का दौरा कर रहे हैं। बैठक में लगभग 280 नेता, जिसमें पूर्व और वर्तमान सांसद, मंत्री, विधायक और पूर्व राज्य अध्यक्ष शामिल थे, उपस्थित थे। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान राज्य के पहले मुख्यमंत्री गोपीनाथ बर्दोलोई की प्रतिमा का अनावरण किया और एयरपोर्ट के नए टर्मिनस का उद्घाटन भी किया।

# मनरेगा पर सरकार ने मनमाने तरीके से चलाया बुलडोजर : सोनिया गांधी

नई दिल्ली। मनरेगा की जगह लाए गए वीबी-जी राम जी विधेयक संसद से पारित होने के बाद भी इसका विरोध फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आरोप लगाया है कि मनमाने तरीके से कानून पारित कर सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया है। जी राम जी को काला कानून बताते हुए इसके खिलाफ कांग्रेस की लड़ाई में शामिल होने की प्रतिबद्धता भी जताई। शीत सत्र समाप्त होने के एक दिन बाद शनिवार को एक वीडियो संदेश में सोनिया गांधी ने मनरेगा को खत्म करने के लिए सरकार पर तीखा प्रहार किया। कहा कि मुझे आज भी याद है, जब 20 साल पहले डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब संसद में मनरेगा कानून आम राय से पारित किया गया था। यह ऐसा क्रांतिकारी कदम था, जिसका फायदा करोड़ों ग्रामीण परिवारों को मिला। खासतौर पर वंचित, शोषित, गरीब और अति गरीब लोगों के लिए रोजी-रोटी का जरिया बना।

### 'देशहित और जनहित से जुड़ी थी योजना'

सोनिया गांधी ने कहा कि बहुत अफसोस की बात है कि सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया और न सिर्फ महात्मा गांधी का नाम हटाया गया, बल्कि मनरेगा का रूप-स्वरूप बिना विचार-विमर्श और विपक्ष को विश्वास में लिए मनमाने ढंग से बदल दिया। अब किसको, कितना, कहां और किस तरह रोजगार मिलेगा, यह जमीनी हकीकत से दूर दिल्ली में बैठकर सरकार तय करेगी। मनरेगा को लाने तथा लागू करने में कांग्रेस का बड़ा योगदान था, लेकिन यह पार्टी से जुड़ा मामला कभी नहीं था। यह देशहित और जनहित से जुड़ी योजना थी। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने इस कानून को कमजोर करके देश के करोड़ों किसानों, श्रमिकों और भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है।

# मद्रास हाईकोर्ट के जज को 36 पूर्व जजों का समर्थन

एजेंसी । चेन्नई

मद्रास हाईकोर्ट के जज जस्टिस जी.आर. स्वामीनाथन के खिलाफ विपक्षी सांसदों के महाभियोग प्रस्ताव का देश के 36 पूर्व जजों ने विरोध किया है। इससे पहले 56 पूर्व जज भी इस प्रस्ताव पर विरोध जता चुके हैं।

शनिवार को इन 36 जजों ने खुले पत्र में कहा कि महाभियोग के प्रस्ताव का कदम जजों पर राजनीतिक-वैचारिक दबाव बनाने और डराने की कोशिश है। अगर इस तरह की कोशिशों को आगे बढ़ने दिया गया, तो यह लोकतंत्र और न्यायपालिका की स्वतंत्रता की जड़ों पर हमला होगा क्योंकि लोकतंत्र में फैसलों की परीक्षा अपील और कानूनी समीक्षा से होती है, न कि महाभियोग की धमकियों से।

### क्या है मामला?

दरअसल, जस्टिस स्वामीनाथन ने 1 दिसंबर को मंदिर और दरगाह से जुड़े मामले में हिंदुओं के पक्ष में फैसला दिया था। इसके बाद 9 दिसंबर को प्रियंका गांधी वाड्रा समेत इंडिया गठबंधन के 107 सांसदों ने उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया था।

# जम्मू-कश्मीर के रतले हाइड्रो प्रोजेक्ट पर खतरा

## 29 मजदूरों के टेरर लिंक मिले

**किश्तवाड़।** जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चिनाब नदी पर बन रहे रतले हाइड्रो प्रोजेक्ट पर खतरा मंडरा रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक प्रोजेक्ट में काम कर रहे 29 मजदूरों के टेरर लिंक मिले हैं। ये कर्मचारी देश विरोधी और क्रिमिनल एक्टिविटी में शामिल थे। पुलिस ने कंपनी से इन कर्मचारियों को काम पर रखने के फैसले पर फिर से विचार करने को कहा है। ऐसे लोग प्रोजेक्ट की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। कंपनी को ऐसे मजदूरों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। 850 मेगावॉट क्षमता वाला यह प्रोजेक्ट नेशनल हाइड्रो पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHPCL) और जम्मू-कश्मीर सरकार का जॉइंट वेंचर है। जिसकी अनुमानित लागत 3700 करोड़ रुपये है। कंस्ट्रक्शन का काम मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (MEIL) को दिया गया है।

### हटाना मुश्किल लेकिन नजर रखेंगे: कंपनी

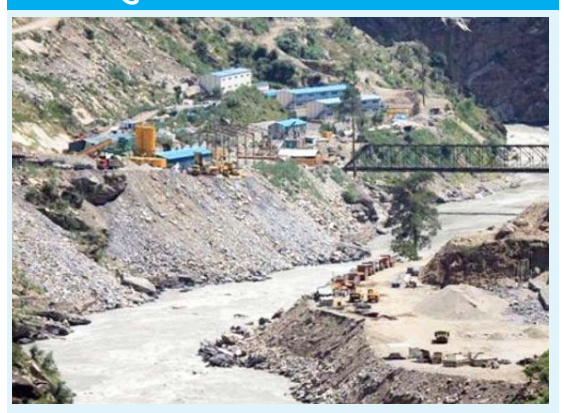

मेघा इंजीनियरिंग की तरफ से लेटर का जवाब दिया गया है। कंपनी ने कहा कि मजदूरों का हटाना मुश्किल है क्योंकि ये खुद आतंकी नहीं है न ही ओवर ग्राउंड वर्कर हैं। इनके खिलाफ अभी तक किसी क्रिमिनल केस में दोष भी साबित नहीं हुआ है। हालांकि कंपनी ने आश्वासन दिया कि इन कर्मचारियों की सख्ती से मॉनिटरिंग की जाएगी।

### जानिए कैसे सामने आया ये मामला?

पूरा मामला 1 नवंबर का है जानकारी अब सामने आई है। दरअसल पुलिस ने प्रोजेक्ट में काम कर रहे मजदूरों का वेरिफिकेशन किया था। जिसमें यह बात सामने आई कि प्रोजेक्ट में काम करे 29 मजदूरों में से 5 मजदूर एक्टिव या सरेंडर आतंकियों के रिश्तेदार हैं। एक कर्मचारी के चाचा हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकी मोहम्मद अमीन है। यह आतंकी प्रोजेक्ट में काम कर रहे दो अन्य मजदूरों का भाई भी है। वहीं एक अन्य कर्मचारी के पिता पहले आतंकी रह चुके हैं हालांकि वो सरेंडर कर चुके हैं। जबकि एक मजदूर के पिता की पहचान ओवर ग्राउंड वर्कर के रूप में दर्ज है। बाकी 24 कर्मचारियों के खिलाफ क्रिमिनल रिकॉर्ड मिला है। तब किश्तवाड़ के SSP नरेश सिंह ने मेघा इंजीनियरिंग के मैनेजर को लेटर लिखकर चिंता जताई थी। पत्र में लिखा गया कि हाइड्रो प्रोजेक्ट नेशनल सिक्योरिटी के लिहाज से अहम होते हैं और दुश्मन देशों के निशाने पर रहते हैं।

**सुझाव** | **मोटापे को लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री ने जताई चिंता**

# सोच-समझकर लें वजन घटाने वाली दवाएं

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत में मोटापा आज सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बन चुका है। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शनिवार को इस समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए समग्र समाज से आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने वर्तमान में उपलब्ध वजन घटाने और मोटापा-रोधी दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

दो दिवसीय 'एशिया ओशिनिया मोटापा सम्मेलन' के उद्घाटन सत्र में डॉ. सिंह ने कहा कि मोटापा केवल सौंदर्य या जीवनशैली से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि यह एक जटिल, दीर्घकालिक और बार-बार होने वाला विकार है। उन्होंने इसे ऐसी समस्या बताया, जिसके समाधान के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण जरूरी है।

### मधुमेह, हृदय रोग और कैंसर का बढ़ता खतरा

डॉ. सिंह ने बताया कि भारत में मोटापे से जुड़े गैर-संक्रामक रोगों में चिंताजनक वृद्धि हो रही है, जो कुल मृत्यु दर में लगभग 63 प्रतिशत का योगदान करते हैं। टाइप-2 मधुमेह, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर जैसी बीमारियों के पीछे मोटापा एक प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के केंद्र में आ गया है और सरकार रोकथाम, सामर्थ्य और प्रारंभिक हस्तक्षेप पर विशेष ध्यान दे रही है।

### गलत सूचनाओं से सावधानी, युवाओं तक पहुंच जरूरी

केंद्रीय मंत्री ने मोटापे के प्रबंधन से जुड़ी मिथकों और गलत सूचनाओं के प्रति सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि जन-जागरूकता को केवल सम्मेलनों और चर्चाओं तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि युवा पीढ़ी तक प्रभावी रूप से पहुंचना आवश्यक है। डॉ. सिंह ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए युवाओं के स्वास्थ्य और ऊर्जा की रक्षा करना अनिवार्य है।

### सभी हितधारकों की सामूहिक भूमिका जरूरी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डॉक्टरों, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और अन्य हितधारकों का एक मंच पर आना इस बात का संकेत है कि भारत में मोटापे की समस्या कितनी गंभीर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह अर्थशास्त्र को केवल अर्थशास्त्रियों पर नहीं छोड़ा जा सकता, उसी तरह मोटापे से निपटना भी सिर्फ डॉक्टरों या महामारी विशेषज्ञों की जिम्मेदारी नहीं हो सकता।

## अगस्ता वेस्टलैंड केस

# क्रिश्चियन मिशेल की रिहाई का आदेश

**नई दिल्ली।** दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को अगस्ता वेस्टलैंड VVIP चॉपर घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में क्रिश्चियन मिशेल को रिहा करने का आदेश दिया। यह मामला प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने दर्ज किया था। कोर्ट ने कहा कि मिशेल इस केस में लंबे समय से हिरासत में है। हालांकि मिशेल अभी जेल से बाहर नहीं आएगा, क्योंकि वह इसी घोटाले से जुड़े एक अलग भ्रष्टाचार मामले में CBI का आरोपी है। CBI केस में उसकी जमानत अर्जी पर कोर्ट ने एजेंसी से 22 दिसंबर तक जवाब मांगा है और उस पर सुनवाई बाकी है। कोर्ट ने कहा कि कानून के मुताबिक किसी आरोपी को अपराध की अधिकतम सजा से ज्यादा समय तक जेल में नहीं रखा जा सकता। मिशेल पर जिस अपराध का आरोप है, उसकी अधिकतम सजा सात साल है और वह पहले ही करीब सात साल जेल में बिता चुका है। इसलिए ED केस में उसे रिहा करने का आदेश दिया गया।

## कोने-कोने से...

### कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

चंद्रपुर। चंद्रपुर शहर नगर निगम चुनाव की घोषणा होते ही पूरे नगर निगम क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है। इसके चलते प्रशासनिक महकमा पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में कलेक्टर विनय गौड़ा जी.सी. ने गुरुवार को जिलाधिकारी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में चुनाव से जुड़ी व्यवस्थाओं, निगरानी तंत्र और विभागीय समन्वय पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चंद्रपुर कलेक्टर गौड़ा ने निर्देश दिए कि चुनाव के दौरान सभी संबंधित विभाग अत्यंत गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि चुनाव को लेकर किसी प्रकार की शिकायत सामने न आए। उन्होंने कहा कि चुनावी कामकाज के लिए अलग-अलग टीमें गठित कर उन्हें प्रभावी ढंग से मैदान में उतारा जाए, ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके।

### अजित पवार की एनसीपी पर बीजेपी की तिरछी नजर

**मुंबई।** सत्ताधारी बीजेपी अपने ही सहयोगी दलों के मजबूत नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कर उन्हें ही कमजोर कर रही है। बीजेपी ने पहले तो शिंदे सेना के लोगों को तोड़कर अपनी पार्टी में शामिल किया और अब अजित पवार की पार्टी को तोड़ रही है। शनिवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में अजित पवार की पार्टी के कई सारे दिग्गज लोग बीजेपी में शामिल हो गए। पुणे और पिंपरी चिंचवड में बीजेपी और अजित पवार की पार्टी के अलग-अलग चुनाव लड़ने की संभावना है। राज्य में सत्ताधारी महायुति के घटक दलों के बीच सिर फुटव्वल जारी है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की नाराजगी के बाद भी बीजेपी उनकी पार्टी के लोगों को अपनी पार्टी में शामिल कर रही है। अब बीजेपी की तिरछी नजर अजित पवार की एनसीपी पर पड़ी है। पुणे और पिंपरी-चिंचवड में अजित पवार की पार्टी के लोगों को बीजेपी ने अपनी पार्टी में शामिल कर लिया। पुणे और पिंपरी-चिंचवड पर पवार परिवार का दबदबा रहा है। उनके दबदबे को खत्म करने के लिए बीजेपी दोनों ही एनसीपी के मजबूत नेताओं को बीजेपी अपनी पार्टी में शामिल कर रही है। खासकर, अपनी सहयोगी दल अजित पवार की पार्टी को नुकसान पहुंचा रही है।

### जेन जी

युवाओं को अब सिर्फ चेहरे नहीं, काम और विजन देखना है। जो शहर को बेहतर बना सके, वही हमारी पसंद होगा।



– अनिकेत जायसवाल, मुंबई

युवाओं के लिए रोजगार, स्टार्टअप सपोर्ट और खेल सुविधाएं महानगरपालिका के एजेंडे में होनी चाहिए।



– प्रियंका शाह, मुंबई

### हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

## विश्लेषण

## बीएमसी चुनाव

# मुंबई पर टिकी है उद्धव की पूरी सियासत

**अगर बीएमसी चुनाव हारे तो भंवर में फंस जाएगा सियासी फ्यूचर**

अमित बृज | मुंबई

16 जनवरी 2026 महाराष्ट्र की राजनीति के लिए निर्णायक दिन माना जा रहा है। इसी दिन बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) सहित राज्य की 29 नगरपालिकाओं के चुनाव नतीजे घोषित होंगे। ये नतीजे सिर्फ स्थानीय सत्ता तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि भाजपा, कांग्रेस, एकनाथ शिंदे की शिवसेना, अजित पवार और शरद पवार के राजनीतिक भविष्य की दिशा भी तय करेंगे। हालांकि सबसे बड़ी कसौटी उद्धव ठाकरे के सामने है। तीन दशकों से मुंबई की सत्ता पर काबिज ठाकरे परिवार अगर बीएमसी में पिछड़ता है, तो इसका असर सीधे शिवसेना (यूबीटी) के अस्तित्व पर पड़ सकता है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि पार्टी के कई विधायक और सांसद पहले से ही शिंदे गुट के संपर्क में हैं और चुनावी नतीजों का इंतजार कर रहे हैं। चुनावी माहौल के बीच यूबीटी के कई पार्षद पहले ही शिंदे गुट का रुख कर चुके हैं। शनिवार को उद्धव ठाकरे का साथ न छोड़ने वाले पूर्व विधायक सुभाष भोईर ने भी बीजेपी जॉइन कर लिया।

### हार की स्थिति में गहराएगा अस्तित्व का संकट

2024 के विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी के तहत चुनाव लड़ने वाले उद्धव ठाकरे को अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी। पार्टी को 288 सदस्यीय विधानसभा में महज 20 सीटें और करीब 10 फीसदी वोट शेयर पर संतोष करना पड़ा। यह झटका इसलिए भी अहम माना गया, क्योंकि उद्धव ठाकरे ठाकरे परिवार के पहले ऐसे नेता रहे, जो सीधे सत्ता के शीर्ष पद तक पहुंचे। बालासाहेब ठाकरे के दौर में सत्ता पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण की राजनीति होती थी, लेकिन चुनावी मैदान में उतरने के बाद पार्टी की साख को नुकसान पहुंचा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर देश की सबसे समृद्ध नगर निगम बीएमसी पर ठाकरे परिवार का नियंत्रण खत्म होता है, तो यूबीटी की सियासी पकड़

### मुंबई की सत्ता का निर्णायक संग्राम

बीएमसी पर 1996 से शिवसेना का कब्जा रहा है। अब यह चुनाव उद्धव ठाकरे के लिए सिर्फ एक स्थानीय निकाय की लड़ाई नहीं, बल्कि उनकी राजनीतिक साख और भविष्य का फैसला करने वाला मुकाबला बन गया है। महाराष्ट्र की सत्ता गंवाने के बाद बीएमसी ही उनका आखिरी मजबूत किला माना जा रहा है।बीएमसी का किला बचाने के लिए उद्धव ठाकरे ने पुराने मतभेद भुलाकर मनसे प्रमुख राज ठाकरे से हाथ मिलाया, लेकिन कांग्रेस का रुख उनके लिए नई परेशानी बनता दिख रहा है। भाजपा से अलग होने के बाद जिन दलों के साथ उन्होंने गठबंधन किया था, वही अब निर्णायक मोड़ पर दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। बीएमसी की 227 सीटों पर यूबीटी का मुकाबला न सिर्फ एकजुट भाजपा-शिंदे गुट से होगा, बल्कि कांग्रेस से भी होगा। मुस्लिम वोटों का बिखराव भी यूबीटी के लिए चुनौती माना जा रहा है, क्योंकि सपा और एआईएमआईएम भी मैदान में हैं।

### बीजेपी की नजर बीएमसी पर

राज्य में सत्ता पूरी तरह अपने हाथ में लेने के बाद बीजेपी की रणनीति अब मुंबई पर नियंत्रण की है। बीएमसी पर कब्जा कर बीजेपी न सिर्फ आर्थिक रूप से मजबूत होना चाहती है, बल्कि देश की आर्थिक राजधानी की राजनीति में अपना दबदबा भी कायम करना चाहती है। 227 सीटों का गणित बीएमसी में कुल 227 पार्षद सीटें हैं और मेयर बनाने के लिए 114 सीटों की जरूरत होती है। बीजेपी ने इस बार 150 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। एक समय शिवसेना का गढ़ मानी जाने वाली मुंबई में अब मुकाबला बेहद कड़ा होने वाला है। पहले उद्धव ठाकरे के रहते बीजेपी मुंबई की राजनीति में निर्णायक भूमिका नहीं निभा सकी, लेकिन अब एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ मिलकर बीजेपी ने बीएमसी फतह करने की ठोस योजना बनाई है। यही वजह है कि उद्धव ठाकरे के सामने दोहरी चुनौती खड़ी हो गई है। अपने आखिरी सियासी दुर्ग को बचाने के लिए उद्धव ठाकरे ने चचेरे भाई राज ठाकरे से हाथ मिला लिया है। बीएमसी चुनाव में 'ठाकरे ब्रदर्स' की जोड़ी फडणवीस-शिंदे गठबंधन को कितना नुकसान पहुंचा पाएगी, यह सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है।

### बीएमसी पर शिवसेना का पुराना दबदबा

करीब साढ़े तीन दशक से बीएमसी पर शिवसेना का वर्चस्व रहा है। महाराष्ट्र में सरकारें बदलती रहीं, लेकिन मुंबई की राजनीति में उद्धव ठाकरे की पकड़ बनी रही। 1996 से 2022 तक लगातार शिवसेना का मेयर चुना जाना इसी ताकत का प्रतीक रहा। 2022 में एकनाथ शिंदे की बगावत से शिवसेना दो फाड़ हो गई। हालांकि उस वक्त मुंबई के अधिकतर नेता और विधायक उद्धव ठाकरे के साथ रहे, लेकिन 2024 के विधानसभा चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका लगा। अब बीएमसी चुनाव उद्धव के लिए खोई हुई जमीन वापस पाने का मौका है। उद्धव ठाकरे के लिए बीएमसी चुनाव जीतना राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई है। चुनाव आयोग द्वारा शिंदे गुट को असली शिवसेना और धनुष-बाण चिन्ह मिलने के बाद उद्धव के सामने यह साबित करने की चुनौती है कि जनसमर्थन अभी भी 'मातोश्री' के साथ है। महाराष्ट्र की सत्ता से बाहर होने के बाद बीएमसी ही उद्धव ठाकरे के लिए सबसे बड़ा आर्थिक सहारा है। 2025-26 में बीएमसी का अनुमानित बजट 74,427 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

## सायन-कोलीवाड़ा

# इस बार कांटे की टक्कर




धीरज सिंह | मुंबई

**सायन-कोलीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में आगामी बीएमसी चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स के मुताबिक इस बार यहां मुकाबला बेहद कांटे का रहने वाला है। भले ही पिछले करीब 10 वर्षों से यह विधानसभा सीट भाजपा विधायक कैप्टन आर. तमिल सेलवन के पास रही हो, लेकिन मनपा चुनाव में वॉर्ड स्तर पर तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं मानी जा रही है। वर्ष 2012 और 2017 के बीएमसी चुनावों में इस क्षेत्र में शिवसेना, कांग्रेस और भाजपा के बीच त्रिकोणीय संघर्ष देखने को मिला था। लेकिन इस बार सायन-कोलीवाड़ा में जीते हुए नगरसेवको ने पार्टी बदल ली है, इसलिए चुनावी समीकरण भी पूरी तरह बदल गया है। प्रभाग 176 से कांग्रेस के दिग्गज और कई बार नगरसेवक रह चुके रवि राजा ने इस बार बीजेपी का हाथ थाम लिया है, जिससे जहां बीजेपी की ताकत बढ़ी है। हालांकि, यह प्रभाग अब आरक्षण में है।**

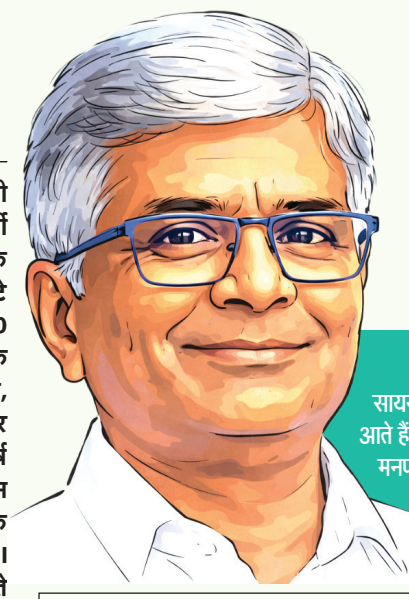



- रवि राजा के शामिल होने से बीजेपी की बढ़ी ताकत
- ठाकरे बंधु एक हुए तो हो सकता है कड़ा मुकाबला

### 2017 का गणित

सायन-कोलीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बीएमसी के कुल 8 प्रभाग आते हैं—172, 173, 174, 175, 176, 179, 180 और 181। वर्ष 2017 के मनपा चुनाव में इन आठ प्रभागों में शिवसेना और कांग्रेस ने 3-3 प्रभागों पर जीत दर्ज की थी, जबकि भाजपा को सिर्फ 2 प्रभागों में सफलता मिली थी। यह आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि क्षेत्र किसी एक दल का गढ़ नहीं रहा है।

### बहु-सामुदायिक समीकरण तय करेगा जीत-हार

सायन-कोलीवाडा विधानसभा क्षेत्र में कुल 2 लाख 83 हजार पंजीकृत मतदाता हैं, जहां जातीय और क्षेत्रीय विविधता चुनावी गणित को जटिल बनाती है। यहां मराठी मतदाता करीब 24% के साथ सबसे बड़ा समूह हैं, जबकि उत्तर भारतीय वोटर्स लगभग 22% हैं। इसके अलावा मुस्लिम समुदाय के करीब 17%, दक्षिण भारतीय मतदाता 12% और सिख समुदाय के करीब 10% वोटर्स निर्णायक भूमिका में हैं। शेष मतदाता अन्य समुदायों में बंटे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, किसी एक समुदाय पर निर्भर रणनीति यहां कारगर नहीं होगी—जीत के लिए व्यापक सामाजिक संतुलन, स्थानीय मुद्दों पर फोकस और प्रभावी वॉर्ड-स्तरीय संगठन ही निर्णायक साबित होंगे।

### ठाकरे बंधुओं को मराठी वोटरों की आस

इस क्षेत्र में मराठी भाषी मतदाताओं की संख्या निर्णायक स्थिति में है और यदि ठाकरे बंधु संयुक्त रूप से मैदान में उतरते हैं तो मराठी वोटों का बिखराव रुक सकता है। इससे शिवसेना (यूबीटी)-एमएनएस गठबंधन को सीधा लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है। जानकारों का मानना है कि एकजुट मराठी वोटिंग की स्थिति में सायन-कोलीवाडा के सभी प्रभागों में ठाकरे बंधुओं का पलड़ा भारी हो सकता है, जिससे मुकाबला महायुति और अन्य दलों के लिए चुनौतीपूर्ण बन जाएगा।

### बदल गया है चुनावी समीकरण

शिवसेना और एनसीपी के दो-दो गुटों में बंटने से पारंपरिक वोट बैंक बिखरा हुआ है, जबकि बीजेपी अब शिंदे गुट की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के साथ मिलकर पहले से कहीं अधिक मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही है। उधर, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच लगभग गठबंधन तय है और यह सीधा संघर्ष बीजेपी बनाम ठाकरे बंधु की ओर जाता प्रतीत हो रहा है। ऐसे में कांग्रेस, जिसने हालिया विधानसभा चुनाव में इस क्षेत्र में दूसरे नंबर पर सबसे अधिक वोट हासिल किए थे, सायन-कोलीवाड़ा में 'किंगमेकर' की भूमिका में उभरती दिख रही है।

### वॉर्ड-वाइज रिपोर्ट

**प्रभाग 172 : भाजपा का एकतरफा दबदबा**

प्रभाग 172 में भाजपा प्रत्याशी राजेश्री राजेश शिरवडकर ने 13,731 मतों के साथ बड़ी जीत दर्ज की। कांग्रेस के उपेंद्र पीतांबरदास दोषी 3,875 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि शिवसेना के प्रकाश धोडू वाघधरे 3,778 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। यह मुकाबला भाजपा के पक्ष में साफ तौर पर एकतरफा रहा।

**प्रभाग 173 : शिवसेना ने बरकरार रखी पकड़**

यहां शिवसेना के प्रल्हाद आबा ढोम्बरे ने 6,492 मत पाकर जीत हासिल की। भाजपा के विजय शंतराम पगारे 2,985 वोटों के साथ उपविजेता रहे, जबकि शिवसेना के ही सुनील बालकृष्ण शेट्ये 2,190 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

**प्रभाग 174 : त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा विजयी**

प्रभाग 174 में भाजपा की कृष्णावेनी विनोद रेड्डी ने 2,300 मतों के साथ जीत दर्ज की। राकांपा की नीलम दिलीप दुबे 2,112 वोटों के साथ कड़ी टक्कर देते हुए दूसरे स्थान पर रहीं। AIMIM की खुर्शिदा इमरान खान 1,953 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय बन गया।

**प्रभाग 175 : शिवसेना-कांग्रेस में कड़ा संघर्ष**

यहां शिवसेना के मंगेश श्रीधर साटमकर ने 6,096 वोट पाकर जीत हासिल की। कांग्रेस की ललिता काचरू यादव 5,619 मतों के साथ बेहद नजदीकी उपविजेता रहीं। भाजपा के लोरिक रामचेत यादव 4,867 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

**प्रभाग 176 : कांग्रेस ने मामूली अंतर से मारी बाजी**

प्रभाग 176 में कांग्रेस के रवि कोंडु राजा ने 3,814 मतों के साथ जीत दर्ज की। शिवसेना के गजानन पद्माकर पाटिल 3,678 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि भाजपा के मुरुगन अंतराम रमैय्या आर को 3,495 मत मिले।

**प्रभाग 179 : कांग्रेस की करीबी जीत**

यहां कांग्रेस के सुफियान नियाज़ अहमद वनू ने 5,630 वोट पाकर जीत दर्ज की। शिवसेना की तृष्णा चंद्रकांत विश्वासराव 5,503 मतों के साथ बेहद नजदीकी मुकाबले में उपविजेता रहीं। राकांपा के अरिफ अब्दुसलाम सैयद 2,857 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

### प्रमुख समस्याएं

सायन-कोलीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कई पुरानी और गंभीर समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। क्षेत्र के कोलीवाड़ा, सायन ईस्ट और सायन वेस्ट हिस्सों में जर्जर सड़कें, गड्ढे और खराब ड्रेनेज व्यवस्था बरसात के दौरान नागरिकों की परेशानी बढ़ा देती हैं। पानी की आपूर्ति कई इलाकों में अनियमित है, जिससे खासकर झोपड़पट्टियों और पुराने चॉल इलाकों में टैंकरों पर निर्भरता बढ़ जाती है। इसके साथ ही ट्रैफिक जाम और पार्किंग की समस्या यहां की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, खासकर सायन सर्कल, कोलीवाड़ा मार्केट और रेलवे स्टेशन के आसपास। स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, सरकारी अस्पतालों पर बढ़ता दबाव और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की सीमित क्षमता भी स्थानीय लोगों की चिंता का विषय है। सफाई और कचरा प्रबंधन को लेकर भी शिकायतें आम हैं, वहीं झोपड़पट्टी पुनर्विकास, बाढ़ प्रभावित इलाकों में जलभराव, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दे हर चुनाव में प्रमुख चुनावी सवाल बनकर उभरते हैं।